



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 87]
No. 87]

नई दिल्ली, मंगलवार, भार्च 11, 2008/फाल्गुन 21, 1929
NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 11, 2008/PHALGUNA 21, 1929

बाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(बाणिज्य विभाग)

(पाठनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 भार्च, 2008

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. से सल्फर ब्लैक के आवात से संबंधित पाठनरोधी जांच।

फा. सं. 14/16/2006-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात् अधिनियम कहा गया है) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाइट वस्तुओं की पहचान, उन पर पाठनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए :

1. यतः सल्फर ब्लैक विनिर्माता एसोसिएशन (जिसे एतद्पश्चात् आवेदक कहा गया है) ने उक्त अधिनियम एवं नियमावली के अनुसरण में चीन जन. गण. (जिसे एतद्पश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सल्फर ब्लैक के पाठन का आरोप लगाते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतद्पश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है और संबद्ध वस्तुओं पर पाठनरोधी शुल्क लगाने हेतु जांच की शुरुआत करने का अनुरोध किया है।

2. और यतः प्राधिकारी द्वारा आवेदकों की ओर से प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसरण में कथित पाठन के अस्तित्व, सीमा तथा प्रभाव का निर्धारण करने एवं पाठनरोधी शुल्क की वह राशि, जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, की संस्तुति करने के लिए संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयतों के संबंध में पाठनरोधी जांच शुरू करते हुए एक सार्वजनिक सूचना जारी की गई थी जिसे दिनांक 26 जून, 2007 को भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था।

क. प्रक्रिया

3. उपर्युक्त जांच की शुरूआत की सूचना देते हुए प्राधिकारी द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने के बाद इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है।

- (i) नियम 6(2) के अनुसरण में संबद्ध देश के नई दिल्ली स्थित दूतावास को जांच की शुरूआत के बारे में सूचित किया गया।
- (ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा दिनांक 26 जून, 2007 की जांच शुरूआत अधिसूचना की प्रतियां अपने पास उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उद्योग को भिजवाई गई। इस जांच से संबंधित पक्षकारों से निर्धारित अवधि के भीतर प्रश्नावली के उत्तर भेजने तथा उन्हें अपने विचार लिखित में अवगत कराने का अनुरोध किया गया। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका एवं प्रश्नावली की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित संबद्ध देश के दूतावास को भी भिजवाई गई और उनसे संबद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित अवधि के भीतर प्रश्नावली के उत्तर भिजवाने की सलाह देने का अनुरोध किया गया।
- (iii) उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसरण में, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत याचिका के अगोपनीय पाठ की प्रति ज्ञात निर्यातकों एवं संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराई गई।
- (iv) नियम 6(4) के अनुसरण में, अपेक्षित जानकारी हासिल करने के लिए संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भिजवाई गई। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित निर्यातकों की ओर से निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर प्राप्त हुए हैं :
 1. मै. डालियान ग्रीन पीक केमिकल्स कं. लि. (उत्पादक) एवं
मै. डालियान डाई केम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (निर्यातक);
 2. मै. शेनजी लिनफेन डाइंग केमिकल्स कं. लि. (उत्पादक) एवं
मै. टियानजिन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी (निर्यातक)
- (v) भारत में संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात आयातकों एवं उपभोक्ताओं को भी नियम 6(4) के अनुसरण में उनसे आवश्यक जानकारी हासिल करने के लिए उन्हें प्रश्नावलियां भिजवाई गई। तथापि, भारत में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी आयातक की ओर से प्रश्नावली का कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ।
- (vi) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों की व्यौरे की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था।

- (vii) प्राधिकारी द्वारा विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत स्थायी पाठ को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में रखा गया जिसे हितबद्ध पक्षों के अवलोकनार्थ खुला रखा गया।
- (viii) याचिकाकर्ता द्वारा सामान्यलग्न स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर प्रदत्त सूचना के अनुसार उत्पादन की ईष्टतम लगात एवं संबद्ध वस्तुओं को भारत में निर्मित करने पर उनकी विक्री करने की लागत की अनंतिम गणना की गई ताकि यह अभिनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उत्पाद की क्षति को दूर करने के लिए पादन सर्जिन से कम पादनसेधी शुल्क सर्वाधिक होगा;
- (ix) प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 की शर्तों के अनुसार चीन जलवायी गणसंघ के संबंध में और बाजार अर्थव्यवस्था अनुमान से संबंधित जांच शुरू की गई और उपर्युक्त नियमावली के अंतर्गत उपर्युक्त अनुमान का खंडन करने के लिए संबंधित देश एवं संबद्ध देश के निर्यातकों को अवसर प्रदान किया गया। उपर्युक्त अधिसूचना में यह भी उल्लेख किया गया था कि इस नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार चीन जन गण से सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी अन्ते वाले समय में किसी समुचित तीसरे देश को भी अधिसूचित कर सकते हैं। तथापि, आवेदकों सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने उक्त प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी समुचित तीसरे देश के द्वायन हेतु प्राधिकारी के समक्ष कोई वास्तविक लक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया।
- (x) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में गोपनीयता संबंधी दावे की जांच की गई है। यह जानकारी, जो स्वभावतः गोपनीय है अथवा जिसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उसके अगोपनीय सारांश के साथ गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया है, गोपनीय मानी गई है। इस जांच परिणाम में घरेलू उत्पाद द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना प्रस्तुत करता है, जिसे नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय माना गया है।

- (xi) यह जांच जनवरी, 2006 से शुरू करके दिसंबर, 2006 (जांच अवधि) तक की अवधि हेतु की गई। तथापि, जांच वर्ष 2003-04, 2004-05, 2005-06 तथा जांच अवधि के लिए की गई है।

ग. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

4. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सलफर ब्लैक है। सलफर ब्लैक एक चमकदार दाति के रूप में होता है जो कुछ-कुछ लाल अथवा हस्तरंग देते हुए भूरा काला रंग देता है। सलफर ब्लैक का उपयोग मुख्यतः सेल्यूलोज फाइबर को रंगने में किया जाता है। सलफर ब्लैक विस्कोस स्टेमल फाइबर तथा यानी कामज एवं जस्ते को रंगने के लिए भी उपयोगी है।

5. सल्फर ब्लैक का उत्पादन दाने/पपड़ी के रूप में अथवा तरल रूप में किया जाता है। सल्फर ब्लैक के उत्पादन में गंधक, सोडियम हाइड्रोजन सल्फाइड, डाई नाइट्रो क्लोरोबैंजीन तथा कास्टिक सोडा का प्रयोग कच्चे माल के रूप में किया जाता है। कास्टिक सोडा तथा गंधक की अभिक्रिया कराकर सोडियम पोलीसल्फाइड, सोडियम थायोसल्फेट तथा जल प्राप्त किया जाता है। अन्य अभिक्रिया में डाई नाइट्रोक्लोरोबैंजीन की अभिक्रिया कास्टिक सोडे से कराकर डाई नाइट्रोफीनाल का सोडियम लवण, सोडियम क्लोराइड तथा जल प्राप्त किया जाता है। तत्पश्चात डाइ नाइट्रोफीनाल के सोडियम लवण की अभिक्रिया सोडियम पोलीसल्फाइट से कराकर सल्फर ब्लैक, अनभिकृत पोलीसल्फाइड तथा सोडियम थायोसल्फेट प्राप्त किया जाता है। अनभिकृत पोलीसल्फाइड्स का ऑक्सीकरण अभिक्रिया द्वारा ऑक्सीकरण किया जाता है और उसे सोडियम थायोसल्फेट में परिवर्तित कर लिया जाता है, जो सल्फर ब्लैक उत्पादन का एक उप-उत्पाद है। सल्फर ब्लैक प्रेस केक के रूप में मात्र द्रव को छानकर प्राप्त कर लिया जाता है। इस अवस्था तक तरल तथा दाने के रूप में सल्फर ब्लैक की उत्पादन प्रक्रिया एक समान है।

6. दानों के उत्पादन हेतु प्रेस केक की अभिक्रिया कास्टिक सोडा/सोडियम हाइड्रोजन सल्फाइड/सोडियम सल्फाइड से कराकर और उसे सुखाकर पपड़ी/चूर्ण के रूप में सल्फर ब्लैक प्राप्त किया जाता है। इसमें लवण मिलाकर दाने की शक्ति को समायोजित कर लिया जाता है।

7. तरल रूप में उत्पादन हेतु प्रेस केक की अभिक्रिया अधिक मात्रा में कास्टिक सोडा/सोडियम हाइड्रोजन सल्फाइड/सोडियम सल्फाइड एवं अन्य प्रकार के विविध रसायनों/एडीटिव्ज से कराई जाती है और एक स्थायी तरल प्राप्त कर लिया जाता है। अवसादन एवं हिमीभवन रोकने तथा फ्री फ्लोइंग विशेषताओं युक्त स्थायी द्रव निर्मित करने संबंधी प्रौद्योगिकी के कारण दानों की तुलना में यह उत्पाद अधिक महंगा हो जाता है परंतु रंजन की प्रक्रिया एवं रंजन की गुणवत्ता में प्रयोक्ताओं को होने वाले कतिपय फायदों से लागत की प्रतिपूर्ति हो जाती है।

8. दानों तथा द्रव का प्रयोग सूती कपड़े, कागज तथा चमड़े की रंगाई में प्रयोक्ता उद्योग द्वारा एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है। तरल सल्फर ब्लैक से रंगाई निरंतर बनी रहती है और प्रयोक्ताओं को रंगाई प्रक्रिया में अन्य रसायनों का इस्तेमाल कम करना पड़ता है। तरल रूप में डाई के प्रयोग से प्रक्रिया के दौरान लगने वाले पानी, भाप तथा बिजली का उपयोग कम होता है और उत्पादकता बढ़ जाती है।

9. इस उत्पाद का उत्पादन एवं बिक्री तरल अथवा दाने/पपड़ी के रूप में अनेक सांद्रणों में की जाती है, जो कम से कम 20% तथा अधिक से अधिक 100% के बीच होती है, परंतु 80% सांद्रण सर्वाधिक लोकप्रिय है। इस उत्पाद के सांद्रण को सामान्यतः बीआर 100, बीआर 200, बीआर 240 आदि के रूप में बताया जाता है। बीआर 240 शत-प्रतिशत सांद्रण प्रदर्शित करता है। अन्य किसी रूप में सांद्रण अनुपातिक आधार पर किया जाता है।

10. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान थीन जन.गण. से विभिन्न सांद्रणों में सल्फर ब्लैक का आयात किया गया है। आवेदकों ने दाया किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सल्फर ब्लैक तथा संबद्ध देश से निर्यातित/आयातित सल्फर ब्लैक में कोई उल्लेखनीय भिन्नता नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित सल्फर ब्लैक और संबद्ध देश द्वारा आयातित सल्फर ब्लैक भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशों, मूल्य निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से परस्पर तुलनीय है। यह तर्क दिया गया है कि आयातित सल्फर ब्लैक एवं घरेलू उत्पादकों द्वारा विनिर्मित उत्पाद तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है और उनकी विशेषताएं एक-दूसरे के समान हैं और प्रयोक्ताओं द्वारा उनका प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है। अहं पाठनरोधी नियमावली के अनुसरण में, याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित सल्फर ब्लैक को संबद्ध देश से आयातित सल्फर ब्लैक के समान वस्तु माना जाना आहिए।

11. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद अथवा समान वस्तु के दायरे के बारे में किसी भी हितबद्ध पक्ष से कोई तर्क प्राप्त नहीं हुआ है। आयात सांख्यिकी के अंतर्गत प्राप्त आयात आंकड़ों की जांच से यह ज्ञात होता है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से केवल दाने/पपड़ी के रूप में ही सल्फर ब्लैक का आयात किया गया है। तथापि, जैसा कि पूर्वोक्त पैराग्राफ में बताया गया है कि पपड़ी/दानेदार रूप में एवं तरल रूप में उत्पादित सल्फर ब्लैक भौतिक एवं रासायनिक रूप से समान है, इनमें वही उत्पादन प्रक्रिया प्रयुक्त की जाती है और ये उत्पाद तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से परस्पर प्रतिस्थापनीय हैं। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए इस जांच के विचाराधीन उत्पाद में सल्फर ब्लैक के सभी रूपों एवं सभी सांद्रणों (जिन्हें एतदपश्यात संबद्ध वस्तु कहा गया है) को कवर किया गया है। इस उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय-32 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गय है। आठ अंकीय स्तर पर विशिष्ट टैरिफ शीर्ष 32041967 है।

घ. घरेलू उद्योग और उसका आधार

12. इस जांच हेतु आवेदन सल्फर ब्लैक विनिर्माता एसोसिएशन द्वारा अपने सदस्यों की ओर से प्रस्तुत किया गया था, जो एसोसिएशन के संकल्प द्वारा समर्थित था। प्राधिकारी के ध्यान में यह लाया गया है कि भारत में संबद्ध वस्तुओं के दस ज्ञात सक्रिय उत्पादक हैं, जो मैसर्स अतुल लि., मै. भानु केमिकल्स प्रा.लि., मै. एप्को डाइकेम प्रा.लि., मै. माधव डाई एंड केमिकल्स, मै. राजस्थान डाई एंड केमिकल्स, मै. मौलिक डाइकेम, मै. एस.एम.केमिकल्स, मै. नितिन इंडस्ट्रीज, मै. खेड़ा केमिकल्स, मै. डाइकेम इंडिया हैं। इन ज्ञात उत्पादकों के अलावा संबद्ध वस्तुओं के अनेक छोटे उत्पादक (लगभग 25) भी हैं जिन्होंने या तो उत्पादन स्थगित कर दिया है अथवा देश में इस उत्पाद के तीव्र पाठन के कारण वे इस उत्पाद सेगमेंट बाहर हो गए हैं। वर्तमान याचिका में संबद्ध वस्तुओं के दो प्रमुख उत्पादकों अर्थात् मै. अतुल लि. और मै. भानु केमिकल्स, जिनका संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पादन में योगदान 75% है, ने अपेक्षित जानकारी प्रदान की है। शेष मात्रा का उत्पादन लघु उद्योग क्षेत्र में अन्य लघु

उत्पादकों द्वारा किया जाता है जिन्होंने एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत आवेदन का समर्थन किया है। अतः यह आवेदन प्रस्तुत करने में आवेदकों का आधार बनता है। आवेदक एसोसिएशन से अन्य मौजूदा उत्पादकों की लागत एवं क्षति से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। तथापि, ऊपर उल्लिखित अन्य उत्पादकों ने अब तक कोई आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं। अतः प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ सहभागी घरेलू उद्योग, जिनका कुल घरेलू उत्पादन में योगदान लगभग 75% है, की लागत एवं क्षति से संबंधित जानकारी पर विचार किया गया है।

13. आवेदक घरेलू उत्पादकों में से एक उत्पादक अर्थात् मै. भानु केमिकल्स तथा इसके एक सहायक प्रतिष्ठान ने अग्रिम लाइसेंसिंग स्कीम के अंतर्गत जांच अवधि के दौरान दानेदार रूप में सल्फर ब्लैक की कतिपय मात्रा का आयात किया था और निर्यात के प्रयोजनार्थ उसे द्रव रूप में प्रसंस्कृत किया था। आवेदकों ने तर्क दिया है कि आवेदक द्वारा इतनी छोटी मात्रा में आयात के कारण भारतीय नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग के आधार एवं क्षतिं की जांच के प्रयोजनार्थ उसे घरेलू उद्योग के घटक के रूप में अयोग्य घोषित नहीं किया जाना चाहिए। यह भी तर्क दिया गया है कि यदि घरेलू उद्योग के भाग के रूप में इस उत्पादक को अयोग्य घोषित कर दिया जाता है, तब भी अन्य उत्पादक अर्थात् मै. अतुल लि. जिसका उत्पादन 100% शक्ति के आधार पर 1638 मी.टन है, का भारत में संबद्ध वरतुओं के कुल उत्पादन में लगभग 54% हिस्सा है। यह भी तर्क दिया गया है कि भारतीय नियमों के अनुसार घरेलू उद्योग के दायरे से किसी आयातक घरेलू उत्पादक को आधार के निर्धारण एवं जांच के प्रयोजनार्थ स्वयमेव बाहर नहीं किया जाता, अपितु यह मामले के गुण-दोषों पर निर्भर होता है।

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि मै. भानु केमिकल्स ने जांच अवधि के दौरान सल्फर ब्लैक की अल्प मात्रा का आयात किया है और ऐसा सल्फर ब्लैक तरल के निर्यात उत्पादन के प्रयोजनार्थ किया गया है। भानु केमिकल्स द्वारा प्रत्यक्ष रूप से आयातित मात्रा, मात्रा के रूप में और इसके अपने उत्पादन एवं प्रतिशत की दृष्टि से अत्यंत अल्प है जो घरेलू लागत और मूल्य निर्धारण में कोई विकृति उत्पन्न नहीं करती जिससे इसे बाहर किया जा सके। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वरतुओं के अन्य लघु उत्पादकों ने उत्पादन बंद कर दिया है अथवा वे लागत एवं क्षति संबंधी आंकड़ों की जानकारी सार्थक रूप से प्रदान करने की दृष्टि से बहुत छोटे हैं। अतः प्राधिकारी का अभिमत है कि दोनों सहभागी उत्पादक अर्थात् मै. अतुल लि. एवं भानु केमिकल्स, जिनका कुल उत्पादन में योगदान 75% है, नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

ड न्यूनतम से कम सीमा

15. प्राधिकारी को वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) एवं अन्य द्वितीयक स्रोतों से प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों एवं संबद्ध देश के सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से ज्ञात होता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वरतुओं का आयात न्यूनतम से अधिक है।

थ. अम्ब्य निवेदन एवं उठाए गए मुद्दे

16. चीन में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं। तथापि भारत के किसी भी उपमोयसा अथवा आयादक ने विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर प्रस्तुत नहीं किया और न ही किसी अन्य पक्ष ने इस जांच से संबंधित कोई सूचना प्रस्तुत की है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि उत्तरदाता हितबद्ध पक्षों ने पाठन तथा क्षति के किसी घेरलू के संबंध में भी कोई प्रारंभिक तर्क प्रस्तुत नहीं किया है। किसी भी पक्षकार द्वारा किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार के गोपनीयता संबंधी दावे के छारे में कोई तर्क प्रस्तुत नहीं किया गया है।

छ. पाठन भारिजन का निर्धारण

17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित निर्यातकों से निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर प्राप्त हुए हैं:-

1. मै. डालियान ग्रीन थीक केमिकल्स कं. लि. (उत्पादक) एवं मै. डालियान आई वेस इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन (निर्यातक)
2. मै. शेनजी लिनफेन डाइंग केमिकल्स कं. लि. (उत्पादक) एवं मै. टियानजिन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी (निर्यातक)

18. इन उत्पादकों एवं निर्यातकों द्वारा प्रश्नावली में दिए गए उत्तरों की जांच की गई एवं उनसे अतिरिक्त जानकारी संग्रहीत गई। उत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों ने अतिरिक्त जानकारी भी प्रस्तुत की जिसे रिकार्ड में दर्ज किया गया और इस प्रारंभिक जांच परिणाम में उत्तरकी जांच की गई।

छ. 1 बाजार अर्थव्यवस्था दावे की जांच

19. प्राधिकारी जोड़ करते हैं कि विषयले तीक्ष्ण वर्षों के ज्ञौराम चीन (जन.संघ.) को फटनरोधी (अ) जांचों में डब्ल्यूटीओ के अन्य सदस्यों द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था) वाला विषय माना गया है। अतः पाठनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसरण में निर्यातक देश द्वारा अथवा उपर्युक्त नियमावली के अनुसार अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त अनुमान के खंडन के अध्यधीन (चीन, जन.संघ.) को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है।

20. यथासंशोधित प्राठनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था अनुमान की खंडन किया जा सकता है, अदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ-8 के उप-पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानवंडों के आधार पर पर्याप्त सूचना एवं साक्ष प्रस्तुत करते हुए उसे विपरीत सिद्ध कर दिया जाए। चीन जनवादी गणराज्य के संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों से बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर के रूप में पैराग्राफ-8 के उप-पैराग्राफ (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/वर्याप साक्ष प्रस्तुत

करने की अपेक्षा की जाती है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- (क) चीन जन.गण. की संबंधित फर्मों द्वारा कीमतों, कच्चे माल सहित लागत एवं निविष्टियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री एवं निवेश से संबंधित निर्णय बाजार संकेतों के अनुसार लिए जाते हैं जिसमें आपूर्ति एवं मांग प्रदर्शित होती है और इस संबंध में राज्य का कोई उल्लेखनीय हस्तक्षेप नहीं होता और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को उल्लेखनीय रूप से प्रदर्शित करती है;
- (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत एवं वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली के कारण, विशेष रूप से परिसंपत्तियों के मूल्यहास, बट्टे-खाते डाली गई राशियों, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की प्रतिपूर्ति के जरिए भुगतान के कारण उल्लेखनीय रूप से विकृत हो गई है ;
- (ग) ऐसी फर्में दिवालियापन एवं संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं, जिससे फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता एवं स्थायित्व की गारंटी मिलती है; एवं
- (घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं ।

21. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश के संबद्ध वस्तुओं के दो उत्पादकों एवं दो निर्यातकों ने प्राधिकारी द्वारा जांच शुरूआत सूचना जारी करने के बाद प्रश्नावली तथा बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली के उत्तर भेजते हुए गैर-बाजार अर्थव्यवस्था अनुमान का खंडन किया है । संबद्ध देश के संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ इन उत्पादकों एवं निर्यातकों की प्रश्नावली एवं बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली के उत्तरों एवं अनुपूरक सूचना की जांच की गई है जो निमानुसार है :-

- (क) मै. डालियान ग्रीन पीक केमिकल्स कं. लि. (उत्पादक) एवं मै. डालियान डाई केम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (निर्यातक)

22. प्रश्नावली में उत्तरदाता उत्पादक एवं निर्यातक द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार उत्पादक कंपनी मैसर्स ग्रीन पीक एक संयुक्त स्टॉक कंपनी है जो डालियान डाइस्टफ एंड केमिकल कार्पोरेशन द्वारा नियंत्रित है, जो डालियान डाइस्टफ एंड केमिकल्स ग्रुप द्वारा 100% धारित है । डालियान डाइस्टफ एंड केमिकल्स ग्रुप राज्य के स्वामित्व की एक सत्ता है । ग्रीन पीक की स्थापना 26 दिसंबर, 2000 को डालियान डाइस्टफ एंड केमिकल कार्पोरेशन द्वारा 4 अन्य शेयरधारकों के साथ की गई थी । कंपनी का दावा है कि संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन सुविधा अगस्त, 1999 में स्थापित की गई थी और इसका उपयोग अक्टूबर, 1999 से शुरू किया गया । ग्रीन पीक की स्थापना से पूर्व इस उत्पादन सुविधा का स्वामित्व डालियान डाई स्टफ एंड केमिकल्स कार्पोरेशन का था और नई कंपनी बनने पर इसे पूंजी योगदान के रूप में ग्रीन पीक को अंतरित किया गया । कंपनी द्वारा डालियान डाइस्टफ एंड केमिकल्स कार्पोरेशन से

नई कंपनी को परिसंपत्तियों एवं देयाताओं के मूल्यांकन एवं अंतरण के समर्थन में कोई पूँजी सत्यापन रिपोर्ट एवं परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है।

23. ग्रीन पीक का एक निदेशक मंडल है जिसके 9 निदेशकों में से 6 निदेशक निवेशकों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो राज्य के स्वामित्व की सत्ताएं हैं। निर्यातक ने तर्क दिया है कि संगठन झापन के अनुच्छेद 75 के अनुसार निदेशकों का निर्यातक एवं प्रतिस्थापन शेयरधारकों की सामान्य समिति द्वारा किया जाता है अतः केमिकल कार्पोरेशन एवं केमिकल ग्रुप के माध्यम से निदेशकों को नामित करने में सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है।

24. उत्पादक कंपनी अपनी सभी सुविधाएं अपनी पितृ कंपनी मैसर्स डालियान डाइस्ट्रफ एंड केमिकल्स कार्पोरेशन से प्राप्त करती है। पितृ कंपनी तथा उत्पादक के बीच उत्पादन लागत एवं मूल्य निर्धारण तंत्र के बारे में कोई जानकारी नहीं है। कंपनी ने दाया किया है कि संबद्ध वस्तुओं हेतु अपेक्षित प्रमुख कच्चे माल का उत्पादन आबद्ध रूप से किया जाता है तथा अन्य माल की खरीद अन्य निजी कंपनियों से की जाती है।

25. निर्यातक कंपनी मैसर्स डालियान डाइकेम, ग्रीन पीक द्वारा 100% धारित है और इसलिए यह सरकार के नियंत्रण के अधीन है।

26. उत्तरदाता उत्पादक एवं निर्यातक के निवेदनों से यह ज्ञात होता है कि उत्पादक कंपनी में सरकार का संपूर्ण नियंत्रणात्मक हित है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्तरदाता कंपनी की स्थिति के बारे में अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जैसे पूर्ववर्ती यिनिर्माण यूनिट की परिसंपत्तियों एवं देयाताओं का अंतरण एवं इनका मूल्यांकन, कच्चे माल की खरीद एवं मूल्य निर्धारण, जिसकी विस्तृत जांच एवं सत्यापन किया जाना जरूरी है। प्राधिकारी का यह अभिमत है कि स्वामित्व एवं नियंत्रण से संबंधित मुद्दों, लागत एवं कीमतों तथा कंपनी के व्यावस्थायिक निर्णयों पर इनके प्रभाव तथा इसका सत्यापन होने तक सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ चीन के इस उत्पादक-निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता।

(ख) मै. शेनजी लिनफेन डाइंग केमिकल्स कं. लि. (उत्पादक) एवं मै. टियानजिन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी (निर्यातक)

27. इस निर्यातक द्वारा किए गए निवेदन के अनुसार उत्पादक कंपनी मैसर्स लिनफेन डाइंग, जिसका अस्तित्व पहले शांनजी लिनफेन डाइंग मेटेरियल फैक्ट्री के रूप में था को पीआरसी कंपनी कानून के अनुसरण में 1997 में एक सीमित देयता घाली कंपनी के रूप में परिवर्तित किया गया। इस सत्ता में लिनफेन सिटी के अर्थव्यवस्था एवं व्यापार आयोग द्वारा धारित इविटी सरकार की तीन अन्य सत्ताओं को अंतरित कर दी गई। इस कंपनी के सर्वाधिक शेयर (****%), लिनफेट सरकार द्वारा धारित हैं तथा शेष शेयर शेनजी प्रांतीय सरकार के स्वामित्व की दो परिसंपत्ति एवं विकास कंपनियों द्वारा धारित हैं। अतः यह उत्पादक कंपनी सरकार के स्वामित्व की एवं उसके नियंत्रणाधीन कंपनी है। उत्पादक ने यह तर्क प्रस्तुत किया है कि यद्यपि लिनफेन डाइंग स्थानीय सरकार के शेयर धारकों के स्वामित्व

वाली एक सीमित देयता वाली कंपनी है, तथापि ये शेयरधारक लिनफेन डाइंग के व्यावसायिक निर्णयों तथा दैनंदिन प्रबंधन में शामिल नहीं होते और इन तीनों शेयरधारकों के अधिकार लाभ वितरण प्राप्त करने और निदेशक मंडल में उनके प्रतिनिधियों के निर्वाचन तक सीमित हैं।

28. यह निवेदन किया गया है कि इस कंपनी के कर्मचारी ही इसके वास्तविक नियंत्रक और कंपनी के वास्तविक प्रबंधक हैं, क्योंकि विभिन्न ऋण एवं विकास निधियों के माध्यम से कर्मचारियों का दीर्घावधिक पूँजी अंशदान कंपनी की पंजीकृत पूँजी से अधिक है। कर्मचारियों के नियंत्रक हितों के परिणामस्वरूप वर्ष 2005 में प्रबंधकीय शक्तियों का अंतरण कर्मचारियों को कर दिया गया और कर्मचारियों के प्रतिनिधियों की संख्या निदेशक मंडल में सबसे अधिक है। मै. टियानजिन इंटरनेशनल ड्रेडिंग कंपनी (निर्यातक) लिनफेन डाइंग के संपूर्ण स्वामित्व की एक अनुषंगी कंपनी है जो निर्यात व्यवसाय में कार्यरत है। यह कंपनी प्रमुख कच्चे माल एवं सुविधाओं की खरीद राज्य के स्वामित्व की अनेक सत्ताओं से करती है।

29. अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्तरदाता कंपनी की स्थिति, पूर्ववर्ती विनिर्माण यूनिट की परिसंपत्तियों एवं देयताओं के अंतरण एवं इनके मूल्यांकन, कच्चे माल की खरीद एवं मूल्य निर्धारण के बारे में ऐसे अनेक मुद्दे हैं जिनकी विस्तृत जांच एवं सत्यापन किया जाना जरूरी है। प्राधिकारी का यह अभिमत है कि स्वामित्व एवं नियंत्रण से संबंधित मुद्दों, लागत एवं कीमतों तथा कंपनी के व्यावसायिक निर्णयों पर इनके प्रभाव तथा इसका सत्यापन होने तक सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ चीन के इस उत्पादक-निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता।

छ.2 सामान्य मूल्य का निर्धारण

30. जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है संबद्ध देशों के उत्तरदाता निर्यातकों के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था निर्धारण से संबंधित ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिनकी आगे जांच और सत्यापन किया जाना अपेक्षित है। अतः चीन जन.गण. के उत्तरदाता निर्यातकों एवं उत्पादकों द्वारा उनके बाजार अर्थव्यवस्था दावे एवं अलग-अलग व्यवहार के संबंध में किए गए दावों की जांच होने तक प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा चीन में सामान्य मूल्य का अनंतिम आकलन नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर किया गया है।

31. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंधित है कि:

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदर्भ अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा।

जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगृह उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहाँ उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में दिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियाँ देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।

32. जांच शुरूआत अधिसूचना में यह उल्लेख किया गया था कि उपर्युक्त प्रावधान के अनुसरण में चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा किसी समुचित तीसरे देश के बारे में सूचित किया जाएगा। तथापि, आवेदकों सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने उपर्युक्त प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी समुचित तीसरे देश के चयन हेतु कोई वास्तविक तथ्य प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि उन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देशों में संबद्ध वस्तुओं के मूल्य एवं लागत से संबंधित सूचना एकत्र करने के प्रयास किए हैं, परंतु इस संबंध में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कोई सूचना एकत्र नहीं की जा सकी। प्राधिकारी के ध्यान में यह भी लाया गया है कि यह एक प्रदूषणकारी उद्योग होने के कारण भारत और चीन के बाहर संबद्ध वस्तुओं का कोई उत्पादक नहीं है। अतः इस प्रयोजनार्थ किसी समुचित तीसरे देश को अभिज्ञात कर पाना कठिन है। घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया है कि तीसरे देश की लागत एवं कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्राधिकारी को घरेलू बिक्री अथवा तीसरे देश की निर्यात बिक्री एवं उत्पादन लागत के बारे में पूर्ण एवं विस्तृत आंकड़े अपेक्षित होंगे और तीसरे देशों के ऐसे उत्पादकों का सहयोग भी अपेक्षित होगा जो आवेदक प्राप्त कर पाने में असमर्थ हैं। अतः घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि इस मामले में भारत को चीन का एक समुचित सहोदर देश माना जाए और सामान्य मूल्य का निर्धारण तदनुसार किया जाए।

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं का विनिर्माण एवं बिक्री विभिन्न शक्तियों/सांद्रणों में की जाती है जो कम से कम 20% और अधिक से अधिक 100% होती है एवं सबसे लोकप्रिय 80% है। उत्पाद के सांद्रण को सामान्यतः बीआर 100, बीआर 200, बीआर 240 आदि के रूप में बताया जाता है। बीआर 240 शत-प्रतिशत सांद्रण प्रदर्शित करता है। संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन प्रक्रिया की जांच से यह ज्ञात होता है कि विभिन्न ग्रेडों के सांद्रण अथवा बीआर मूल्य, बीआर 240 की तुलना में अनुपातिक आधार पर होते हैं। विनिर्माण प्रक्रिया अथवा लागत में कोई भिन्नता नहीं है। लवण मिलाकर सांद्रण को कम कर लिया जाता है और पैकिंग की लागत अधिक होने के कारण इसकी लागत में मामूली वृद्धि हो जाती है क्योंकि उत्पाद के सांद्रण की तनुता बढ़ा देने से उसकी मात्रा भी बढ़ जाती है। अतः पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ निर्यातक देश के बाजारों तथा घरेलू बाजारों में विभिन्न शक्तियों में बेचे जा रहे उत्पादों को 100% समतुल्य मात्राओं में परिवर्तित कर लिया गया है। तदनुसार यह उचित पाया गया है कि 100% सांद्रण वाले उत्पाद का सामान्य मूल्य निर्धारित किया जाए और इसकी तुलना 100% शक्ति के समतुल्य निर्धारित निर्यात कीमत से की जाए।

34. मुद्दों की आगे जांच होने तक प्राधिकारी प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ इस नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के दूसरे परंतुक की शर्तों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण करते हैं। तदनुसार चीन के सभी निर्यातकों के लिए विचाराधीन उत्पाद के कारखाना द्वारा पर सामान्य मूल्य की अनंतिम संरचना उपलब्ध तथ्यों के आधार पर की गई है। सामान्य मूल्य की संरचना में सभी प्रमुख नियिष्टियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत का ध्यान उस सीमा तक रखा गया है जिस सीमा तक ऐसे कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें उपलब्ध हैं। सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सहयोगी निर्यातकों के औसत खपत मानवडों, परिवर्तन लागत तथा घरेलू उद्योग के एसजीए व्ययों को अपनाया गया है। लाभ की ***% समुचित मार्जिन को जोड़ने के बाद सल्फर ब्लैक के 100% सांद्रण (बीआर 240 के समतुल्य) का संरचित सामान्य मूल्य निम्नानुसार बनता है :-

कच्चे माल की लागत (बिना पैकिंग) प्रति किग्रा.:	***** रुपए
उपयोगी वस्तुओं की लागत प्रति किग्रा.:	***** रुपए
परिवर्तन लागत प्रति किग्रा.:	***** रुपए
एसजीए व्यय तथा वित्तीय लागत प्रति किग्रा.:	***** रुपए
निर्माण एवं बिक्री की कुल लागत प्रति किग्रा.:	***** रुपए
% की दर से लाभ की मार्जिन प्रति किग्रा.:	** रुपए
संरचित सामान्य मूल्य प्रति किग्रा.:	***** रुपए
45.67 रुपए की विनिमय दर पर सीएनवी	***** अम.डॉलर

छ.3 निर्यात कीमत

(I) मै. डालियान ग्रीन पीक केमिकल्स कं. लि. (उत्पादक) एवं मै. डालियान डाई केम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (निर्यातक)

35. उत्तरदाता उत्पादक एवं निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं की *** भी.टन मात्रा के निर्यात की सूचना दी है। उत्तरदाता उत्पादक एवं निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान केवल सल्फर ब्लैक बीआर 200 तथा बीआर 240 के निर्यात के बारे में सूचित किया है। ये निर्यात भारत में उनसे असंबद्ध अंतिम प्रयोक्ताओं एवं वितरकों को सीआईएफ शर्त पर किए गए हैं और भुगतान डीपी/टीटी/एलसी शर्तों पर प्राप्त किया गया है।

36. निर्यातक ने दावा किया है कि भारत को की गई निर्यात बिक्री पर उसे किसी कमीशन का भुगतान नहीं किया गया है। तथापि, निर्यातक ने भारत को किए गए निर्यात सौदे पर प्रत्यक्ष बिक्री व्ययों अर्थात् अंतर्देशीय परिवह, समुद्री माल भाड़े एवं बीमे, प्रहस्तन व्यय, बैंक प्रभार एवं एफओबी मूल्य के 4% की दर से संदत्त वैट के अंतर की सूचना दी है।

37. पैकिंग प्लास्टिक लाइनर युक्त कागज की थैलियों में की जाती है। निर्यातक ने पैकिंग की लागत हेतु किसी समायोजन का दावा नहीं किया है। तथापि, वास्तविक पैकेजिंग के सत्यापन के अध्यधीन अनपैकड़ स्थिति में निर्यात कीमत की अनंतिम तुलना अनपैकड़ स्थिति में

वस्तुओं के लिए निर्धारित संरचित सामान्य मूल्य से की गई है। अतः उचित तुलना की दृष्टि से निर्यात कीमत में से निर्यातक द्वारा अपनी लागत शीट में संबद्ध वस्तुओं के लिए सूचित पैकिंग लागत को घटा दिया गया है।

38. इस निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों तथा समायोजन से संबंधित विभिन्न तत्त्वों के सत्यापन के अध्यधीन उपर्युक्त उत्तरदाता उत्पादक एवं निर्यातक के लिए निवल निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

उत्पाद श्रेणी	मात्रा मी.टन	निवल शीएक मूल्य अम.डॉ.	कुल समायोजन अम.डॉ.	निवल मूल्य अम.डॉ.	निवल ईपी अम.डॉ./ मी.टन	घटाएः पैकिंग अम.डॉ./ मी.टन	अनपैकड़ स्थिति में निवल कीमत अम.डॉ./ मी.टन
बीआर200	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
बीआर240	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
कुल	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****

(II) मै. शेनजी लिनफेन डाइंग केमिकल्स कं. लि. (उत्पादक) एवं मै. टियानजिने इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी (निर्यातक)

39. उत्तरदाता संबद्ध उत्पादक एवं निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं की **** मी.टन का निर्यात सूचित किया है। उत्तरदाता उत्पादक एवं निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान अनेक सांदर्भों में सल्फर ब्लैक का निर्यात किया है। ये निर्यात सीआईएफ शर्त पर भारत में असंबद्ध अंतिम प्रयोक्ताओं तथा वितरकों को किए गए हैं और इनका भुगतान डीपी/टीटी/एलसी शर्तों पर प्राप्त किया गया है।

40. निर्यातक ने दावा किया है कि भारत को की गई निर्यात बिक्री पर उसे किसी कमीशन का भुगतान नहीं किया गया है। तथापि, निर्यातक ने भारत को किए गए निर्यात सौदे पर प्रत्यक्ष बिक्री व्ययों अर्थात् अंतर्देशीय परिवह, समुद्री माल भाड़े एवं बीमे, प्रहस्तन व्यय, बैंक प्रभार एवं एफओबी मूल्य के 4% की दर से संदर्भ घैट के अंतर की सूचना दी है।

41. निर्यातक द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के परिशिष्ट-5 में दिए गए उत्तर से यह प्रतीत होता है कि पैकिंग ड्रमों तथा प्लास्टिक की थैलियों में किया जाता है। तथापि, उत्तर से यह स्पष्ट नहीं है कि क्या निर्यात खेपों की पैकिंग भी ड्रमों एवं प्लास्टिक की थैलियों में की जाती है। निर्यातक ने पैकिंग लागत के लिए किसी भी समायोजन का दावा नहीं किया है। अतः अनंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध वस्तुओं की अनपैकड़ स्थिति में कीमत की तुलना अनपैकड़ वस्तुओं के लिए संरचित सामान्य मूल्य से की गई है। अतः उचित तुलना की दृष्टि से निर्यात-

कीमत में से निर्यातिक द्वारा अपनी लागत शीट में संबद्ध वस्तुओं के लिए सूचित पैकिंग लागत को घटा दिया गया है।

42. इस निर्यातिक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों तथा समायोजन से संबंधित विभिन्न तत्वों के सत्यापन के अध्यधीन उपर्युक्त उत्तरदाता उत्पादक एवं निर्यातिक के लिए निवल निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

उत्पाद कोड	कुल मात्रा (मी.टन)	निवल बीजक मूल्य का योग (अम.डॉ.)	कुल समायोजनों का योग, अम.डॉ./ में	कारखाना द्वारा निवल कीमत का योग अम.डॉ.	पैकिंग ¹ सहित ईपी अम.डॉ./ मी.टन	घटाएः पैकिंग लागत अम.डॉ./ मी.टन	बिना पैकिंग के ईपी अम.डॉ./ मी.टन
बीआर 120%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
बीआर 130%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
बीआर 150%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
बीआर 160%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
बीआर 170%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
बीआर 180%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
बीआर 185%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
बीआर 200%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
विलेय	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
कुल योग	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****

छ.4 पाटन मार्जिन

43. पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ कारखाना द्वारा पर सामान्य मूल्य तथा अनंतिम रूप से निर्धारित निर्यात कीमतों की तुलना व्यापार के समान स्तर पर की गई है और संबद्ध देशों के निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का अनंतिम निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

(I) मै. डालियान ग्रीन पीक केमिकल्स कं. लि. (उत्पादक) एवं मै. डालियान डाई केम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (निर्यातक)

44. इस उत्पादक-निर्यातिक युगल के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु अलग-अलग उत्पाद श्रेणियों (सल्फर ब्लैक की शक्तियों) के कारखाना द्वारा पर निवल निर्यात कीमत की तुलना अनुपातिक आधार पर उत्पाद के संरचित सामान्य मूल्य से की गई है जो निम्नानुसार है :-

उत्पाद श्रेणी	मात्रा मी.टन	अनपैकड़ स्थिति में निवल निर्यात कीमत अम.डॉ./ मी.टन	100% समतुल्य कमता	100% आधार पर निवल ई.पी अम.डॉ./ मी.टन	100% आधार पर सामान्य मूल्य अम.डॉ./ मी.टन	पाटन मार्जिन अम.डॉ./ मी.टन	पाटन मार्जिन %
बीआर200	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
बीआर240	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
कुल	*****	*****	*****	*****	*****	*****	40.9%

(II) मे. शोनजी लिनफेन डाइंग केमिकल्स कं. लि. (उत्पादक) एवं मे. टियानजिन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी (निर्यातक)

45. इस उत्पादक-निर्यातक युगल के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु अलग-अलग उत्पाद श्रेणियों (सल्फर ब्लैक की शक्तियों) के कारखाना द्वारा पर निवल निर्यात कीमत की तुलना अनुपातिक आधार पर उत्पाद के संरचित सामान्य मूल्य से की गई है जो निम्नानुसार है :-

उत्पाद कोड	कुल मात्रा (मी.टन)	बिना पैकिंग के निवल ई.पी अम.डॉ./ मी.टन	समतुल्य मात्रा मी.टन	समतुल्य शक्ति पर निवल ई.पी अम.डॉ./ मी.टन	100% आधार पर संरचित सामान्य मूल्य अम.डॉ./ मी.टन	पाटन मार्जिन अम.डॉ./ मी.टन	पाटन मार्जिन %
बीआर 120%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
बीआर 130%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
बीआर 150%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
बीआर 160%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
बीआर 170%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
बीआर 180%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
बीआर 185%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
बीआर 200%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
विलेय	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
कुल/ भारित औसत	*****	*****	*****	*****	*****	*****	24.9%

(III) चीन जन.गण. के अन्य सभी निर्यातक

46. चीन जन.गण. के अन्य सभी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सहयोगी निर्यातकों के सौदाधार आंकड़ों को ध्यान में रखकर किया गया है और संबद्ध देश के अन्य सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु इसकी तुलना संरचित सामान्य मूल्य से की गई है।

अन्य सभी	सीएनवी अम.डॉ./मी.टन	इपी अम.डॉ./मी.टन	पाटन मार्जिन अम.डॉ./मी.टन
बीआर 240 समतुल्य	1,503.53	1006.67	496.86
			49.4%

छ.5 पाटन मार्जिन का सारांश

उत्पादक	निर्यातक	पाटित मार्जिन अम.डॉ./ किग्रा.	पाटित मार्जिन %
मै. डालियान ग्रीन पीक केमिकल्स कं. लि.	मै. डालियान डाई केम इंटरनेशनल कार्पोरेशन	436.21	40.9%
मै. शेनजी लिनफेन डाइंग केमिकल्स कं. लि.	मै. टियानजिन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी	299.872	24.9%
अन्य सभी	अन्य सभी	496.86	49.4%

ज. क्षति निर्धारण

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावे के बारे में किसी भी हितबद्ध पक्ष ने कोई तर्क प्रस्तुत नहीं किया है।

ज.1 क्षति की जांच एवं कारणात्मक संबंध

48. अनुबंध-II के साथ पाटित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह प्रावधान है कि क्षति निर्धारण में उन कारकों की जांच शामिल है, जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति इंगित होती हो, ".... सभी संबद्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, जिनमें पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामकारी प्रभाव शामिल हैं" कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में यह जांच करना जरूरी समझा गया कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है, अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में उल्लोनीय स्तर तक अन्यथा मंदी लाना अथवा कीमत में वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक होती है।

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबंधित आवेदन सल्फर ब्लैक उत्पादक एसोसिएशन द्वारा संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों की ओर से प्रस्तुत किया गया

है। तथापि, दो घरेलू उत्पादकों अर्थात् मे. अतुल लि. और मै. भानु के मिकल्स, जिनका भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पादन में प्रमुख हिस्सा है, ने क्षति से संबंधित पूर्ण सूचना प्रस्तुत की है। नियमावली के नियम-2 (ख) की शर्तों के अनुसार उक्त उत्पादकों को इस जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग माना गया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि यद्यपि भारत में संबद्ध वस्तुओं के अन्य अनेक ज्ञात उत्पादक हैं, तथापि वे सभी असंगठित क्षेत्र में हैं और उनका अलग-अलग उत्पादन अत्यंत कम है। आवेदकों ने यह निवेदन किया है कि चीन से लंबे समय तक हुए भारी पाटन के कारण अनेक उत्पादक बाजार छोड़कर चले गए हैं। अन्य उत्पादकों से भी अपनी लागत एवं क्षति से संबंधित सूचना प्रदान करने का अनुरोध किया गया, जो अब तक प्राप्त नहीं हुई है। अतः प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त घरेलू उत्पादक, जो नियम 2(ख) में यथा परिभाषित घरेलू उद्योग हैं, द्वारा प्रस्तुत लागत एवं क्षति से संबंधित सूचना की जांच की गई है। तथापि, जिस सीमा तक सूचना उपलब्ध है, समग्र घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के समग्र प्रभाव की जांच की गई है।

50. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए नियमावली के अनुबंध-2 के अनुसरण में इस उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सूचकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की सीमा एवं मार्जिन आदि पर विचार किया गया है। घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले उपर्युक्त आर्थिक मानदंडों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा आदि की जांच निम्नानुसार की गई है:-

(क) पाटित आयातों की मात्रा का प्रभाव : आयात की मात्रा एवं बाजार हिस्सा

(क) आयात की मात्रा तथा संबद्ध देशों का हिस्सा

51. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का प्रश्न है, प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया जाना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में निपरेक्ष रूप में अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि डीजीसीआईएंड एस के आंकड़े आयात से संबंधित पूर्ण आंकड़े नहीं दर्शाते और डीजीसीआईएंडएस द्वारा सूचित आंकड़ों की तुलना में आयात की मात्रा अधिक है। अपने इस दावे के समर्थन में घरेलू उद्योग ने आईबीआईएस द्वारा संकलित सौदेवार आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। यह तर्क दिया गया है कि संबद्ध वस्तुओं का आयात अनेक शीर्षों के अंतर्गत किया जाता है और डीजीसीआईएस के आंकड़ों में अनेक वर्गीकरणों के अंतर्गत आयातों को शामिल नहीं किया गया है।

52. प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रदत्त सौदेवार आयात आंकड़ों और घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आईबीआईएस आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा की जांच की है। चीन के उत्तरदाता निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत निर्यात संबंधी आंकड़ों पर भी विचार किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्तरदाता निर्यातकों द्वारा सूचित संबद्ध देश से निर्यात डीजीसीआईएस द्वारा सूचित आयात आंकड़ों की तुलना में अधिक पाया गया परंतु यह आईबीआईएस द्वारा सूचित आयात मात्रा से संबंधित आंकड़ों के निकट है।

डीजीसीआईएंड एस के आंकड़ों तथा आईबीआईएस के आंकड़ों की जांच से यह ज्ञात होता है कि संबद्ध वस्तुओं का आयात टैरिफ शीर्ष 32.04 के अंतर्गत 10 अंकीय स्तर पर अनेक वर्गीकृत शीर्षों के तहत किया जा रहा है, जिस पर डीजीसीआईएंड एस के आंकड़ों में उचित ध्यान नहीं दिया गया है। अतः प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ मात्रा एवं कीमत के विश्लेषण हेतु आईबीआईएस के सौदेवार आंकड़ों में सूधित निर्यात मात्रा पर विचार किया गया है।

53. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सल्फर ब्लैक का आयात संबद्ध देश तथा अन्य देशों से विभिन्न शक्तियों में किया जाता है। पहले किए गए विवेचन के अनुसार विभिन्न बीआर मूल्यों में सल्फर ब्लैक की शक्तियां लवण घोलकर प्राप्त की जाती हैं। अतः सार्थक मात्रात्मक विश्लेषण के प्रयोजनार्थ आयात मात्राओं का परिवर्तन सल्फर ब्लैक की समतुल्य 100% शक्ति (बीआर 240 के समतुल्य) में कर लिया गया है। उपर्युक्त आधार पर 100% शक्ति के अनुसार संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा निम्नानुसार बनती है:-

मात्रा मी.टन में (100% शक्ति के आधार पर)

अवधि	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि (जन.- दिसं.06)
देश	मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा
चीन जन.गण.	773	986	2,791	3,519
प्रवृत्ति(सूचीबद्ध)	100	128	361	455
अन्य	-	-	16	-
कुल	773	986	2,807	3,519
प्रवृत्ति(सूचीबद्ध)	100	128	363	455
संबद्ध देश का हिस्सा	100%	100%	99.44%	100%

54. इन आंकड़ों से ज्ञात होता है कि भारत में संबद्ध वस्तुओं का 100% आयात चीन जन.गण. से किया जाता है, सिवाय अन्य देशों से अल्प मात्रा में हुए आयात के, जो संभावित यानांतरण के कारण है, क्योंकि यह प्रतीत होता है कि उक्त देश में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की कोई सुविधा नहीं है। प्राधिकारी के ध्यान में यह लाया गया है कि यह एक अत्यंत प्रदूषणकारी उद्योग होने के कारण अधिकांश देशों में यह उद्योग समाप्त हो गया है और भारत और चीन ही विश्व में इस उत्पाद के दो प्रमुख उत्पादक हैं। संबद्ध देशों से आयात में आधार वर्ष की तुलना में 350% से अधिक की वृद्धि हुई है।

(ख) उत्पादन एवं क्षमता उपयोग पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

55. मांग के आकलन तथा घरेलू उद्योग के घरेलू प्रचालन पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए घरेलू उत्पादन की मात्रा एवं बिक्री की गणना 100% शक्ति के आधार पर (बीआर 240) की गई है। 100% शक्ति के आधार पर घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन एवं बिक्री तथा भारतीय बाजार में कुल मांग निम्नानुसार बनती है:-

मात्रा मी.टन में (वीआर240 के समतुल्य)

उत्पादन, बिक्री तथा मांग	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि (जन.- दिसं.06)
घरेलू उद्योग की स्थापित क्षमता	3800	3800	3800	3800
प्रवृत्ति	100	100	100	100
उत्पादन (घरेलू उद्योग)	1,600	1,867	2,269	2,337
प्रवृत्ति	100	117	142	146
घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग	42.10	49.14	59.72	61.51
प्रवृत्ति	100	117	142	146
घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री	1,398	1,668	1,952	1,930
प्रवृत्ति	100	119	140	138
अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री	2,471	2,152	749	730
प्रवृत्ति	100	87	30	30
कुल घरेलू बिक्री	3,869	3,820	2,701	2,660
प्रवृत्ति	100	99	70	69
आयात	773	986	2,807	3,519
प्रवृत्ति	100	128	363	455
कुल मांग	4,643	4,806	5,508	6,179
प्रवृत्ति	100	104	119	133

56. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में इस उत्पाद की कुल घरेलू बिक्री में 30% से अधिक की गिरावट आई है, हालांकि आवेदक घरेलू उद्योग की बिक्री में पिछले वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि के बाद जांच अवधि के दौरान मामूली गिरावट आई है। जहां आवेदक घरेलू उद्योग की क्षमता क्षति की जांच की अवधि के दौरान 3800 मी.टन पर स्थिर रही है, वहीं प्राधिकारी नोट करते हैं कि अनेक लघु उत्पादकों ने इस उत्पाद का विनिर्माण बंद कर दिया है जो आधार वर्ष की तुलना में उनकी बिक्री में 70% से अधिक की गिरावट में प्रदर्शित होता है। साथ ही इसी अवधि में संबद्ध देशों से आयातों में 350% से अधिक की वृद्धि हुई है। अतः ये आंकड़े दर्शाते हैं कि छोटे उत्पादकों द्वारा सृजित रिक्तता पर संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों और अंशतः घरेलू उद्योग ने कब्जा कर लिया है।

57. आधार वर्ष की तुलना में आवेदक घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में सुधार हुआ है, परंतु ऐसे परिदृश्य में जहां मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है, आवेदकों के पास अप्रयुक्त क्षमता अत्यधिक (40%) है। साथ ही संबद्ध देश से लंबे समय तक हुए पाटन के कारण संबद्ध वस्तुओं के अनेक लघु एवं मध्यम उत्पादक बाजार छोड़कर चले गए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के अनुबंध-II के पैरा 1 में प्राधिकारी से संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की अपेक्षा की गई है। अतः इस मामले में केवल आवेदकों के उत्पादन की मात्रा एवं क्षमता उपयोग से संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों की स्थिति की सही तस्वीर स्पष्ट नहीं होती। यह तथ्य कि लगभग 25 लघु एवं मध्यम उत्पादक बाजार छोड़कर चले गए हैं और आवेदकों के अलावा अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री

की मात्रा में आधार वर्ष से भारी गिरावट आई है, यह दर्शाता है कि देश में उपलब्ध अप्रयुक्त क्षमता आवेदकों की अप्रयुक्त क्षमता की तुलना में अत्यधिक है।

(ग) बाजार हिस्से पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

58. घरेलू बिक्री एवं बाजार हिस्से पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच की गई है, जानिमानुसार है :-

बाजार हिस्सा	मांग में बाजार हिस्सा (%)			
	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि (जन.,06 से दिसं.,06)
संबद्ध देश	16.66%	20.52%	50.68%	56.95%
प्रवृत्ति	100	123	304	342
अन्य देश	0	0	0.3%	0
घरेलू उद्योग	30.12%	34.70%	35.44%	31.24%
प्रवृत्ति	100	115	118	104
अन्य घरेलू उत्पादक	53.22%	44.78%	13.60%	11.81%
प्रवृत्ति	100	84	26	22
सभी घरेलू उत्पादक	83.34%	79.48%	49.04%	43.05%
प्रवृत्ति	100	95	59	52

59. जहां घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की मांग में लगभग 33% की वृद्धि हुई है, वहीं कुल मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में केवल 1% की वृद्धि हुई है और घरेलू उत्पादकों के हिस्से में आधार वर्ष में 80% से कुल मांग में 40% से अधिक की भारी गिरावट आई है, जबकि पाठित आयातों का हिस्सा जो आधार वर्ष में 17% था, जांच अवधि में बढ़कर कुल मांग का 57% हो गया है, जो यह दर्शाता है कि पाठित आयातों ने संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों की बिक्री की मात्रा एवं बाजार हिस्से को उल्लेखनीय रूप से प्रभावित किया है। यह इस तथ्य से भी ज्ञात होता है कि लगभग 25 लघु तथा मध्यम आकार की यूनिटों ने इस अवधि में उत्पादन बंद कर दिया है जो आवेदकों से अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री की मात्रा में आई गिरावट से प्रदर्शित होता है।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों का कीमत प्रभाव

60. जहां तक कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव का प्रश्न है प्राधिकारी से यह विचार करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में आयातों के कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है, अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में उल्लेखनीय स्तर तक अन्यथा मंदी लाना अथवा कीमत में वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक होती।

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के रूप में केवल विभिन्न शक्तियों द्वाले दानेदार सत्फर ब्लैक का निर्यात किया गया है। अतः कीमत प्रभाव की जांच के लिए पाटित आयातों के पहुंच मूल्य की उचित तुलना समान वस्तु की घरेलू बिक्री से करने के लिए घरेलू बिक्री कीमत और दानों की क्षति रहित कीमत पर विचार किया गया है। उचित तुलना की दृष्टि से पहुंच मूल्य तथा घरेलू बिक्री कीमतों को 100% समतुल्य में परिवर्तित कर लिया गया है।

(I) कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव

62. कीमत कटौती के अनंतिम निर्धारण हेतु जांच की समस्त अवधि के दौरान संबद्ध देश से नाइट आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य की तुलना उसी अवधि के लिए 100% शक्ति के आधार पर सत्फर ब्लैक के दानों से घरेलू उद्योग को प्राप्त भारित औसत निवल बिक्री से की गई है। आयातों के पहुंच मूल्य की गणना करते समय संबद्ध देश से 100% शक्ति के आधार पर आईबीआईएस आंकड़ों के अनुसार सूचित आयात कीमतों में 1% प्रहस्तन प्रभाग तथा लागू आधारभूत सीमाशुल्क को जोड़ दिया गया है।

63. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करते समय घरेलू उद्योग द्वारा दिए जाने वाले रिबेट, छूट तथा कमीशन एवं भुगतान किए गए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को घटा दिया गया है। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की गणना 100% शक्ति के आधार पर केवल दानों के लिए की गई है।

64. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देश से आयातों की भारित औसत पहुंच कीमत की तुलना 100% शक्ति के आधार पर सत्फर ब्लैक के दानों के संबंध में जांच अवधि हेतु निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत से की गई है।

रु./किग्रा.

विवरण	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि (जन.- दिसं.06)
घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	88	102	107
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	88	104	102
पहुंच मूल्य- चीन जन.गण.	52.26	47.82	46.92	48.90
प्रवृत्ति	100	92	90	94
कीमत कटौती	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	81	134	120
कीमत कटौती (%)	40-50%	35-45%	65-75%	55-65%
क्षति रहित कीमत				****

कम कीमत पर बिक्री				****
कम कीमत पर बिक्री का %				65-75%

65. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि जहां घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत में लगभग 7% की वृद्धि हुई है वहीं घरेलू उद्योग अपनी कीमत केवल 1% तक ही बढ़ा सका है। आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि पाटित आयातों के पहुंच मूल्य में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 6% की गिरावट आई है। पाटित आयातों का पहुंच मूल्य क्षति की जांच की समस्त अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से बहुत कम रहा है और घरेलू उद्योग की कीमत कटौती पर इसका उल्लेखनीय प्रभाव हुआ है। पहुंच मूल्य क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत और जांच अवधि के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से भी बहुत कम रहा है, जिसके कारण कम कीमत पर बिक्री हुई है।

(ii) पाटित आयातों के कारण कीमत न्यूनीकरण तथा कीमत ह्रास

66. घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण प्रभाव की जांच के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की प्रवृत्ति की तुलना उत्पादन लागत से की गई है।

विवरण	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि (जन.- दिसं.06)
उत्पादन की लागत	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	93	104	107
बिक्री कीमत	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	92	101	101
पहुंच मूल्य	52.26	47.82	46.92	48.90
प्रवृत्ति	100	92	90	94

67. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि जहां घरेलू उद्योग के उत्पादन लागत में आधार वर्ष की तुलना में 7% की वृद्धि हुई है, वहीं उसी अवधि के दौरान पहुंच मूल्य, जो घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री की लागत से बहुत कम है, में लगभग 6% की और गिरावट आई है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू बाजार में मांग में अच्छी वृद्धि होने के बावजूद उत्पादन लागत निकालने के लिए घरेलू उद्योग अपनी कीमतों नहीं बढ़ा सका। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत क्षति की जांच की अवधि के दौरान बिक्री की घरेलू लागत से बहुत कम रही है। अतः यह प्रतीत होता है कि यद्यपि लागतों में वृद्धि हुई है, तथापि, घरेलू उद्योग अपने बाजार हिस्से को बचाए रखने के लिए पाटित आयातों की उपस्थिति के कारण कीमतों को कम बनाए रखने के लिए विवश रहा है। इस कीमत न्यूनीकरण प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग को वित्तीय नुकसान हुआ प्रतीत होता है क्योंकि यह उद्योग घरेलू बाजार में अपनी लागत निकाल पाने में असमर्थ रहा है।

68. उपर्युक्त अनंतिम विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि, निरपेक्ष रूप में तथा घरेलू बाजार में मांग के हिस्से के रूप में, दोनों रूपों में पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर मात्रा तथा कीमत प्रभाव के रूप में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और घरेलू बाजार में उल्लेखनीय कीमत कटौती के कारण घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें कम रखने पर विवश होना पड़ा है।

ज.2 क्षति से संबंधित अन्य कारकों की जांच

69. पिछले खंड में ऊपर उल्लिखित कुछेक क्षति से संबंधित कारकों जैसे बिक्री तथा बाजार हिस्से में वास्तविक एवं संभावित गिरावट, आयातों की मात्रा में वास्तविक एवं संभावित वृद्धि आदि की जांच के बाद प्राधिकारी द्वारा इस खंड में क्षति से संबंधित अन्य अनिवार्य मानदंडों की जांच की गई है।

(क) लाभप्रदता पर वास्तविक तथा संभावित प्रभाव

70. घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा घरेलू समान वस्तु (सल्फर ब्लैंक दानों तथा तरल) की बिक्री से अर्जित लाभ की जांच की गई है जो निम्नानुसार है।

100% शक्ति के आधार पर

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि (जन.- दिसं, 06)
बिक्री की घरेलू लागत (समस्त उत्पाद)	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	104	107
घरेलू बिक्री कीमत (समस्त उत्पाद)	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	92	101	101
प्रति इकाई लाभ/हानि	रु./किग्रा.	(****)	(****)	(****)	(****)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(464)	(752)	(1,782)

71. उक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि आधार वर्ष में भी घरेलू बाजार में प्रति इकाई बिक्री में घरेलू उद्योग को भासूली नुकसान हो रहा था, परंतु घरेलू उद्योग द्वारा प्रति इकाई बेचे गए उत्पाद पर जांच अवधि के दौरान बिक्री की लागत में वृद्धि के कारण घाटे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई जबकि बिक्री प्राप्ति तकरीबन स्थिर बनी रही।

(ख) नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

72. घरेलू उद्योग द्वारा अपने घरेलू प्रचालनों पर नकद लाभ की गणना निम्नानुसार है:-

नकद लाभ	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि (जन.- दिसं.,06)
कर पूर्व कुल लाभ	लाख रुपए	(****)	(****)	(****)	(****)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(554)	(1,050)	(2,459)
घरेलू बिक्री पर मूल्यहास	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	104	128	109
नकद लाभः घरेलू बिक्री	रु./किग्रा.	****	(****)	(****)	(****)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(5)	(96)	(463)

73. उपर्युक्त आंकडे दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को अपने घरेलू प्रचालनों में उल्लेखनीय नकद घाटा हुआ है। आधार वर्ष में जहां नकद प्रवाह सकारात्मक था, वहीं जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को उल्लेखनीय नकद घाटा हुआ है।

(ग) निवेश से हुई आय पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

74. निवल अचल परिसंपत्तियों तथा घरेलू प्रचालन हेतु नियोजित कार्यशील पूंजी से हुई आय की जांच की गई है, जो निम्नानुसार है :-

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अधि(जन., 06 से दिसं.,06)
कर पूर्व कुल लाभ	रुपए/लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(554)	(1,050)	(2,459)
ब्याज	रुपए/लाख	****	****	****	****
पीबीआईटी	रुपए/लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	122	95
घरेलू प्रचालनों हेतु नियोजित पूंजी (एनएफए + डब्ल्यूसी)	रुपए/लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	144	149
नियोजित पूंजी से आय	%	****%	****%	****%	****%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	0	80	85	64

75. क्षति की जांच की अवधि के दौरान कीमतों में मंदी के कारण घरेलू बिक्री पर उल्लेखनीय नकद घाटे के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग द्वारा घरेलू निवेश से प्राप्त आय में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उल्लेखनीय गिरावट आई है, जो 35% से अधिक है।

(घ) माल सूचियां

76. औसत स्टॉक तथा बिक्री के प्रतिशत के रूप में स्टॉक की दृष्टि से घरेलू उद्योग की माल सूची धारिता में गिरावट देखी गई है।

माल सूची	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि (जन.- दिसं,06)
प्रारंभिक स्टॉक	किग्रा.	****	****	****	****
अतिम स्टॉक	किग्रा.	****	****	****	****
औसत स्टॉक	किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	76	97	60
बिक्री के % के रूप में मालसूची	%	14.60	9.29	10.16	6.35

(ङ) उत्पादकता

77. श्रमिक उत्पादकता तथा दैनिक उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता की जांच की गई है जो श्रमिक उत्पादकता तथा दैनिक उत्पादकता के रूप में उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार दर्शाती है।

उत्पादकता	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि (जन.- दिसं,06)
उत्पादन	मी.टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	117	142	144
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	81	72	71
दिवसों की संख्या	संख्या	350	350	350	350
उत्पादकता -कर्मचारी	मी.टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	144	198	204
दैनिक उत्पादकता	मी.टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	117	142	144

(घ) रोजगार तथा मजदूरी

रोजगार तथा मजदूरी	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि (जन.- दिसं,06)
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	81	72	71
मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****

प्रवृत्ति		100	72	62	65
प्रति कर्मचारी मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	90	86	92

78. रोजगार के स्तर तथा घरेलू उद्योग द्वारा भुगतान की गई मजदूरी से संबंधित आंकड़ों की जांच से ज्ञात होता है कि इस अवधि के दौरान उत्पादन में वृद्धि के बावजूद रोजगार के स्तर तथा घरेलू उद्योग द्वारा भुगतान की गई मजदूरी में गिरावट आई है।

छ. नया निवेश जुटाने की क्षमता

79. यूनिटों में अप्रयुक्त क्षमता अत्यधिक होने के कारण क्षति की जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तुओं में पूंजी विस्तार हेतु कोई नया निवेश नहीं किया गया है। अतः यह कारक इस मामले में सुसंगत नहीं है।

ज. वृद्धि

80. विभिन्न भौतिक एवं वित्तीय मानदंडों के रूप में घरेलू उद्योग की वृद्धि यह दर्शाती है कि आवेदक घरेलू उद्योग की उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में वृद्धि सकारात्मक है। तथापि, आवेदक घरेलू उद्योग के उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में वृद्धि अन्य अनेक घरेलू उत्पादकों के बाजार छोड़कर चले जाने के कारण हुई है। इन यूनिटों के बंद होने के कारण घरेलू बाजार में अप्रयुक्त क्षमता काफी अधिक है। घरेलू मांग की स्थिति सकारात्मक होने तथा घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार होने के बावजूद घरेलू बिक्री से हुए लाभ तथा लगाई गई पूंजी से आय के रूप में वित्तीय कार्य निष्पादन में क्षति की जांच की अवधि के दौरान उल्लेखनीय गिरावट आई है। बाजार हिस्सा, लाभ, नकद प्रवाह तथा निवेश से आय जैसे मानदंड नकारात्मक वृद्धि दर्शाते हैं।

(अ) पाटन की सीमा

81. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के सूचक के रूप में पाटन मार्जिन दर्शाती है कि संबद्ध देश के सहयोगी निर्यातकों के लिए निर्धारित मार्जिन न्यूनतम स्तर से काफी अधिक है।

(।) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

82. पाटित आयातों की मात्रा की प्रवृत्ति तथा संबद्ध देशों से कीमतों तथा घरेलू कीमतों की प्रारंभिक जांच से यह ज्ञात होता है कि पाटित आयातों ने मात्रा तथा कीमत प्रभाव के माध्यम से घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित किया है।

ज.3 समग्र आकलन

83. उपर्युक्त कारकों के प्रारंभिक विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि क्षमता, उत्पादन तथा बिक्री में सुधार के बावजूद बाजार हिस्से, निवल बिक्री प्राप्ति, लाभप्रदता, निष्पेश से आय तथा नकद लाभ में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में कई गुना वृद्धि हुई है और पाटित आयातों की कीमतों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा उल्लेखनीय स्तर पर कम कीमत पर बिक्री की जा रही है, जिसके कारण घरेलू उद्योग अपनी कीमतें लाभदायक स्तर तक बढ़ा नहीं पा रहा है और उत्पादन की बढ़ती लागत को निकाल नहीं पा रहा है। घरेलू उद्योग द्वारा कीमत न्यूनीकरण के कारण लाभदायक कीमत प्राप्त न होने से घरेलू उद्योग को अत्यधिक वित्तीय घाटा हुआ है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति वास्तविक तथा उल्लेखनीय प्रतीत होती है।

झ. कारणात्मक संबंध तथा अन्य कारक

84. वास्तविक क्षति के अस्तित्व तथा घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत प्रभाव की, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री और कीमत न्यूनीकरण एवं कीमत हास के प्रभाव की अनन्तिम जांच के पश्चात भारतीय नियमों एवं पाटनरोधी करार में सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक मानदेड़ों की भी जांच की गई है ताकि यह देखा जा सके कि क्या पाटित आयातों के अलावा किसी अन्य कारक का घरेलू उद्योग को हुई क्षति में योगदान रहा है। तदनुसार निम्नलिखित मानदेड़ों की जांच की गई है।

(i) अन्य लोतों से आयातों की मात्रा तथा कीमतें

85. प्रयुक्त आयात सांख्यिकी के अनुसार संबद्ध वस्तुओं का आयात केवल जांच में विचाराधीन देश से ही किया जा रहा है। अतः अन्य देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं की मात्रा तथा भूल्यों का घरेलू उद्योग पर प्रभाव नहीं पड़ा होगा।

(ii) मांग में संकुचन एवं /अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन

86. जांच की समस्त अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में अच्छी वृद्धि देखी गई है, अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण मांग में संभावित संकुचन को नहीं माना जा सकता। खपत तथा मांग से संबंधित आंकड़े इस उत्पाद के खपत के पैटर्न में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं दर्शाते।

(iii) व्यापार प्रतिबंधात्मक घट्टतियां एवं विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्श

87. वस्तुएं मुक्त रूप से आयात योग्य हैं। आवेदक संबद्ध वस्तुओं के प्रमुख उत्पादक हैं और घरेलू उत्पादन एवं बिक्री में उनका सर्वाधिक योगदान है। अन्य घरेलू उत्पादक या तो बाजार से बाहर चले गए हैं अथवा उन्होंने अपना उत्पादन बहुत कम कर दिया है। किसी भी

हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्राधिकारी के ध्यान में प्रतिस्पर्धा की कोई शर्त अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों से संबंधित कोई साक्ष्य नहीं लाया गया है।

(iv) प्रौद्योगिकी का विकास

88. प्रौद्योगिकी में हुए किसी उल्लेखनीय परिवर्तन के बारे में कोई आरोप नहीं है, जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

(v) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि 100% शक्ति के आधार पर निर्यात कीमतों में सुधार प्रदर्शित होता है, तथापि क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री में उल्लेखनीय गिरावट आई है। तथापि, क्षति के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ केवल घरेलू बिक्री पर ही विचार किया गया है और घरेलू उद्योग के निर्यात कार्य निष्पादन के कारण हुई क्षति, यदि कोई हुई हो, को पाटित आयातों का कारण नहीं माना गया है।

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि (जन.- दिसं.06)
निर्यात बिक्री	मी.टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	77	53	66
कीमत	रु./मी.टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	140	168	178

(vi) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

90. कुल उत्पादन तथा कर्मचारियों द्वारा उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है। अतः इसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

91. उपर्युक्त अनंतिम विश्लेषण यह दर्शाता है कि पाटित आयातों को छोड़कर किसी अन्य ज्ञात कारक ने घरेलू उद्योग को प्रभावित नहीं किया है।

झ. कारणात्मक संबंध को स्थापित करने वाले कारक

92. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में वास्तविक गिरावट आई है। अतः पाटित आयातों एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध निम्नलिखित आधारों पर स्थापित होता है:-

क. क्षति की जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है और पहुंच कीमत में अत्यधिक गिरावट आई है, जिसके कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणाम के तौर पर घरेलू उद्योग लाभदायक कीमतें प्राप्त करने में असमर्थ रहा है, हालांकि क्षति की जांच की अवधि के दौरान उत्पादन लागत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

ख. आयात की मात्रा में वृद्धि और उत्पादन लागत को वसूल करने के लिए कीमतें बढ़ाने के संबंध में घरेलू उद्योग की असमर्थता के कारण कंपनी के लाभ, नकद प्रवाह तथा निवेश से आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

ग. उल्लेखनीय सकारात्मक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के कारण भारत में घरेलू बाजार से अनेक उत्पादक बाहर हो गए हैं और अप्रयुक्त उत्पादन क्षमता काफी अधिक बची है।

93. अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और य संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव के कारण हुई है।

I. क्षति की सीमा एवं क्षति मार्जिन

94. जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है कि भारत में सल्फर ब्लैक का आयात दानों के रूप में विभिन्न शक्तियों में किया गया है, अतः घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु के साथ उचित तुलना के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा केवल 100% शक्ति (बीआर 240 के समतुल्य) के सल्फर ब्लैक दानों के लिए घरेलू उद्योग हेतु संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत का अनंतिम निर्धारण किया गया है। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित घरेलू उद्योग हेतु क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश के आयातों के पहुंच मूल्य से की गई है, जिसे 100% समतुल्य कीमत में परिवर्तित किया गया है ताकि समान आधार पर संबद्ध देश के निर्यातकों के लिए भारित औसत क्षति मार्जिन का निर्धारण किया जा सके। संबद्ध देश के निर्यातकों की भारित औसत पहुंच कीमत और उनकी क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:-

उत्पादक	निर्यातक	क्षति रहित कीमत	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %
		अम.डॉ./ मीटन	अम.डॉ./ मीटन	अम.डॉ./ मीटन	%
मै. डालियान ग्रीन पीक केमिकल्स कं. लि.	मै. डालियान डाई केम इंटरनेशनल कार्पोरेशन	1817.71	1347.32	470.39	34.9%
मै. शेनजी लिनफेन डाइंग केमिकल्स कं. लि.	मै. टियानजिन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी	1817.71	1609.63	208.09	12.9%
अन्य सभी	अन्य सभी	1817.71	1154.01	663.70	57.5%

ट. निष्कर्ष

95. हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दों, किए गए प्रस्तुतीकरण तथा प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए तथ्यों, जिन्हें इस जांच परिणाम में दर्ज किया गया है, की जांच के उपरांत प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि :-

- (i) संबद्ध वस्तुओं का संबद्ध देशों से भारतीय बाजार में प्रवेश निर्यातक देशों के घरेलू बाजारों में उनके सामान्य मूल्य से कम कीमतों पर हुआ है;
- (ii) संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं की पाटन मार्जिन अत्यधिक तथा न्यूनतम से अधिक हैं;
- (iii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और यह क्षति संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत प्रभाव दोनों के कारण हुई है।

ठ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे :

96. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करके भारतीय बाजार में खुली तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल करना है, जो देश के भी सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित नहीं होंगे अतः उपभोक्ताओं के लिए इस उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ड. सिफारिशें

97. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच की शुरुआत की सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी और पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंधी के विभिन्न पहलुओं से संबंधित सकारात्मक जानकारी प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित नियमावली की शर्तों के अनुसार पाटन, क्षति तथा पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की जांच शुरू करने एवं इसे निष्पादित करने तथा संबद्ध देशों के विरुद्ध सकारात्मक पाटन मार्जिन के निर्धारण के साथ-साथ ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति के निर्धारण के उपरांत प्राधिकारी का यह अभिमत है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए अनंतिम उपाय लागू करना अपेक्षित है।

98. अतः प्राधिकारी नीचे वर्णित प्रकार तथा तरीके से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं और इसकी सिफारिश करते हैं।

99. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कम से कम शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन की मार्जिन अथवा क्षति की मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क, जो भी कम हो, लगाने की संस्तुति करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर इसके साथ संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम 9 में इंगित राशि के तुल्य अनंतिम पाटनरोधी शुल्क के केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	उप शीर्ष अध्या टरिक नम्बर	वस्तुओं का विवरण	विनिर्देशन देश	उदाहरण का देश	नियात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि**	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	32.04	सल्फर ब्लैक सल्फर ब्लैक सल्फर ब्लैक सल्फर ब्लैक सल्फर ब्लैक	सभी रूपों तथा सभी रूपों तथा सभी रूपों तथा सभी रूपों तथा सभी रूपों तथा	चीन जन.गण. चीन जन.गण. चीन जन.गण. चीन जन.गण. चीन जन.गण.	कोई	मै. डालियान चीन पीक केमिकल्स कं. लि.; अध्या मै. डालियान चाई केम इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन	मै. डालियान चीन पीक केमिकल्स कं. लि.; अध्या मै. डालियान चाई केम इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन	436.21	मी.टन	अम.डॉ.
2	32.04					मै. शेनजी लिनफेन डाइग केमिकल्स कं. लि.; अध्या मै. शेनजी लिनफेन डाइग केमिकल्स कं. लि.	मै. शेनजी लिनफेन डाइग केमिकल्स कं. लि.; अध्या मै. टियानजिन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन	208.09	मी.टन	अम.डॉ.
3	32.04					उपर्युक्त के अलावा अन्य कोई कॉम्बीनेशन	496.86	मी.टन	अम.डॉ.	
4	32.04					कोई	कोई	496.86	मी.टन	अम.डॉ.

** शुल्क की राशि बीआर 240 पर (अर्थात् 100% सांद्रण आधार पर हो) है। अन्य सौदों के लिए मात्रा को बीआर 240 (100% समतुल्य) में परिवर्तित किया जाएगा और उभयुक्त शुल्क के बल समतुल्य मात्रा पर लागू होगा।

ठ. आगे की प्रक्रिया

100. प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित करने के पश्चात् निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

- (क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इस जांच परिणाम पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणाम में विधार किया जाएगा;
- (ख) निर्यातकों, आयातकों, याचिकार्कर्ता तथा संबंधित अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा अलग से पत्र भेजे जा रहे हैं जो अपने विचारों से इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तिथि से 40 दिनों के भीतर अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से छालीस (40) दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है।
- (ग) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे।
- (घ) प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों को प्रकट करेंगे।

आर गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)
NOTIFICATION

New Delhi, the 10th March, 2008

Preliminary Findings

Sub. : Anti-Dumping Investigation involving import of Sulphur Black from China PR.

F. No. 14/16/2006-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

1. WHEREAS Sulphur Black Manufacturers' Association (herein after referred to as the applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Act, and the Rules, alleging dumping of Sulphur Black, originating in or exported from the China PR (herein after also referred to as subject country) and requested for initiation of an investigation for levy of anti dumping duties on the subject goods.
2. AND WHEREAS, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicants issued a public notice dated 26th June 2007, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, in accordance with the sub-Rule 5(5) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. Procedure

3. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority.

- (i) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2).

- (ii) The Designated Authority sent copies of initiation notifications dated 26th June 2007 to the embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, known importers and other interested parties, and the domestic industry, as per the information available with it. Parties to this investigation were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing within prescribed time limit. Copies of the letter, petition and questionnaire sent to the exporter were also sent to the Embassy of subject country along with a list of known exporters/ producers with a request to advise the exporters/producers from the subject country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- (iii) Copy of the non-confidential version of the petition filed by the domestic industry was made available to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra.
- (iv) Questionnaires were sent to the known exporters from subject country in accordance with the rule 6(4) to elicit relevant information. Responses to exporter's questionnaire have been received from the following exporters of the subject goods from the subject countries:
 1. M/s. Dalian Green Peak Chemicals Co. Ltd (Producer) and M/s Dalian Dye Chem International Corporation (Exporter);
 2. M/s Shanxi Linfen Dyeing Chemicals Co. Ltd (Producer) and M/s Tianjin International Trading Co (Exporter)
- (v) Questionnaires were sent to the known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4). However, no questionnaire response has been received from any importer of the subject goods in India.
- (vi) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigations;
- (vii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- (viii) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out provisionally so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;

- (ix) The Authority initiated the investigation with Non-Market Economy presumptions in respect of People's Republic of China, in terms of para 8 of Annexure I to the Rules and provided an opportunity to the country concerned and the exporters from the subject country to rebut the said presumption under the said Rule. It was also mentioned in the said notification that the Authority may however, notify an appropriate third country, in the due course, for the purpose of determination of normal value in China PR in terms of para 7 of Annexure I to the Rules. However, none of the interested parties, including the applicants, have placed any material fact before the Authority to select an appropriate market economy third country for the above purpose.
- (x) The confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them have been examined. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties, along with non-confidential summary thereof, has been treated confidential *** in this finding represents information furnished by the domestic industry on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- (xi) Investigation was carried out for the period starting from Jan 2006 to December 2006 (POI). However, investigation has been carried out for a period from 2003-04, 2004-05, 2005-06 and POI.

C. Product under Consideration and Like Article

4. The product under consideration in the present petition is Sulphur Black. Sulphur Black is a lustrous grain, imparts full black shade with a slight radish or greenish tone. Sulphur Black is mainly used for dyeing cellulose fiber. Sulphur Black is also useful for dyeing viscose staple fiber and yarn, paper and leather.

5. Sulphur black is produced, either in grains/flake form, or in liquid form. Production of sulphur black requires sulphur, sodium hydrogen sulfide, di-nitro-chlorobenzene and caustic soda as the major raw materials. Caustic soda and sulphur is reacted to produce sodium polysulphide, sodium thiosulphate and water. In another reaction Di-nitrochlorobenzene is reacted with caustic soda to get sodium salt of dinitrophenol, sodium chloride and water. Sodium salt of dinitrophenol is then reacted with sodium polysulphide to get sulphur black, unreacted polysulphides and sodium thiosulphate. Unreacted polysulphides are oxidized by oxidation reaction to convert them to sodium thiosulphate which is a bye product of the sulphur black production. Sulphur black in press cake form is recovered from the mother liquor by filtration. Upto this stage the production process is common for liquid and grains of sulphur black.

6. For production of grains the press cake is treated with caustic/sodium hydrogen sulphide/ sodium sulphide and dried to get sulphur black in flake/powder form. The strength of the grain is adjusted by adding salt.

7. For production of liquids the press cake is treated with higher quantities of caustic/sodium hydrogen sulphide/ sodium sulphide and other miscellaneous chemicals/additives to get a stable liquid. The technology involved in making a stable liquid to avoid sedimentation, freezing and free flowing properties makes the product more expensive compared to the grains but the cost is compensated by certain advantages to the users in the dyeing process and quality of dyeing obtained.

8. The grains and liquids are interchangeably used by the user industry for dyeing cotton fabrics, paper and leather. The liquid sulphur black provides a more consistent dyeing property and reduces use of other chemicals in the dyeing process at the users end. Use of liquid dyes also reduces use of process water, steam, power and increases productivity.

9. The product is produced and sold in liquid or grains/flakes forms in several concentrations, which may vary from as low as 20% to as high as 100%, most popular being 80%. The concentration of the product is generally described as BR. 100, BR. 200, BR. 240, etc. BR. 240 represents 100% concentration. Any other form would have concentration on pro rata basis.

10. The Authority notes that during the POI sulphur black of various concentrations have been imported from China PR. Applicants have claimed that there is no significant difference in Sulphur Black produced by the domestic industry and Sulphur Black exported/imported from the subject country. Sulphur Black produced by the Indian industry and imported from the subject country are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. It has been argued that the imported sulphur black and the product manufactured by the domestic producers are technically and commercially substitutable and hold closely resembling characteristics and the consumers use the two interchangeably. Therefore, Sulphur Black produced by the petitioners should be treated as like articles to Sulphur Black imported from the subject country in accordance with the anti-dumping Rules.

11. The Authority notes that no argument has been received from any interested party on the scope of product under consideration or like article. Examination of the import data from the import statistics indicates that only sulphur black in grain/flakes form has been imported during the POI from the subject country. However, as noted in the foregoing paragraphs the sulphur black produced in flake/grain form and liquid forms are physically and chemically alike, use same production process and the products are technically and commercially interchangeable. In view of the above the

product under consideration in this investigation covers sulphur black in all forms and all concentrations (herein after referred to as subject goods). The product is classified under Chapter 32 of the Customs Tariff Act. Specific tariff head at Eight Digit level is 32041967.

D. Domestic Industry and Standing

12. The application for this investigation was filed by the Sulphur Black Manufacturers' Association on behalf of its members supported by a resolution of the association. It has been brought to the notice of the Authority that there are ten known active producers of subject goods in India, namely M/s Atul Limited, M/s Bhanu Chemicals Pvt. Ltd, M/s Apco Dyechem Pvt. Ltd, M/s Madhav Dye & Chemicals, M/s Rajasthan Dye and Chemicals, M/s Maulick Dyechem, M/s S M Chemicals, M/s Nitin Industries, M/s Khera Chemicals, M/s Dyechem India. Apart from these known producers there were a large number of small producers (about 25) of subject goods who have either suspended production or exited from this product segment due to intense dumping of the product in the Country. Two major producers of the subject goods i.e., M/s Atul Limited and M/s Bhanu Chemicals, accounting for 75% of total production of the subject goods, have provided relevant information in the present petition. Balance quantity is produced by other small producers as above in small scale sector who have supported the application made by the association. Therefore, the applicants command the standing to file the application. The applicant Association was requested to file the cost and injury data in respect of other existing producers. However, the other producers as above have not filed any data so far. Therefore, for the preliminary determination the cost and injury information of the participating domestic industry, which constitutes about 75% of total domestic production, has been considered.

13. One of the applicant domestic producers i.e., M/s Bhanu Chemicals, and one of its sister concerns had imported certain quantities of sulphur black in grain form during the POI under advance licensing scheme and otherwise, for processing them into liquid form for export purpose. The applicants have argued that such small quantity of imports by the applicant should not disqualify it to be treated as one of the constituents of the domestic industry for the purpose of examination of standing and injury as per the Indian Rules. It has also been argued that even if this producer is disqualified to be treated as a part of the domestic industry the other producer i.e. M/s Atul limited, with a production of 1638 MT on 100% strength basis, commands about 54% of the total production of the subject goods in India. It has also been argued that as per the Indian Rules, the exclusion of an importing domestic producer from the domain of domestic industry, for the purpose of determination of standing and injury, is not automatic and depends upon the merit of the case.

14. The Authority notes that though M/s Bhanu Chemicals has imported a small volume of sulphur black in the POI the same is mostly for export

production of sulphur black liquid. The volume of direct imports by Bhanu Chemicals is small enough both in terms of its volume and as a percentage of its own production and sales, to distort its own domestic cost and prices for its exclusion. The Authority also notes that other small producers of the subject goods have either closed down or are too small to provide any meaningful information for the examination of their cost and injury data. Therefore, the Authority holds that both the participating producers i.e. M/s Atul Limited and Bhanu Chemicals, accounting for 75% of total production, constitute the domestic industry within the meaning of the term in Rule 2(b) of the Rules.

E. De Minimis Limits

15. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and other secondary sources, as well as the data furnished by the cooperating exporters from the subject country, the imports of the subject goods, from the subject country, are above the de minimis level.

F. Other submissions and issues raised

16. Producers of the subject goods in China have submitted their responses to the exporter's questionnaire. However, none of the consumers or importers in India has responded to the Designated Authority, nor has any party provided any information relevant to the present investigations. The Authority also notes that the responding interested parties have not made any preliminary argument on any aspect of dumping and injury. No arguments have been raised by any party on the confidentiality claims of the other interested parties.

G. Determination of Dumping Margin

17. The Authority notes that exporter's questionnaire have been received from the following exporters of the subject goods from the subject countries:

1. M/s. Dalian Green Peak Chemicals Co. Ltd (Producer) and M/s Dalian Dye Chem-International Corporation (Exporter);
2. M/s. Shanxi Linfen Dyeing Chemicals Co. Ltd (Producer) and M/s Tianjin International Trading Co (Exporter)

18. The questionnaire responses of these producers and exporters were examined and further information were called from them. The responding producers/exporters have filed additional submissions which have also been taken on record and examined for this preliminary finding.

G.1 Examination of Market economy claims

19. The Authority, notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules.

20. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

21. The Authority notes that two producers and two exporters of the subject goods from the subject country have submitted their questionnaire responses and market economy questionnaire responses, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the Market economy responses of the responding producers and exporter and supplementary submissions have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows:

- a) M/s. Dalian Green Peak Chemicals Co. Ltd (Producer) and M/s Dalian Dye Chem International Corporation (Exporter);

22. As per the information submitted by the responding producer and exporter in the questionnaire responses, the producing Company M/s Green

Peak is a joint stock company controlled by Dalian Dyestuff & Chemicals Corporation, which is in turn 100% held by Dalian Dye stuff & Chemicals Group. Dalian Dye stuff & Chemicals Group is a state-owned entity. Green Peak was established on Dec. 26, 2000 by Dalian Dyestuff & Chemicals Corporation along with other 4 shareholders. The Company has claimed that the production facility of the subject goods was established in August of 1999 and was put into use since October of 1999. This production facility was owned by Dalian Dyestuff & Chemicals Corporation before Green Peak was established and was transferred to Green Peak as capital contribution in the new Company. The Company has submitted certain Capital Verification Report; and Assets Valuation Report in support of valuation and transfer of assets and liabilities from Dalian Dyestuff & Chemicals Corporation to the new Company.

23. Green Peak has a board of directors with 9 directors out of which 6 directors represent the investors which are state-owned entities. The exporter has argued that according to Article 75 of the Articles of Association the directors are elected and replaced by the shareholders' general committee and therefore, there is no control by government to nominate directors through the Chemical Corporation and Chemicals Group.

24. The producing company draws all utilities from its parent company M/s Dalian Dyestuffs & Chemicals Corporation. The production cost and pricing mechanism between the parent company and the producer is not known. The Company has claimed that major raw materials for the subject goods are captively produced and others are purchased from other private companies.

25. The exporting company M/s Dalian Dyechem is 100% held by Green Peak and therefore continues to be under the control of the Government.

26. The submissions of the responding producer and exporter indicate that the Government continues to have full controlling interest in the producing Company. The Authority also notes that there are significant issues regarding the status of the responding company: transfer of assets and liabilities of the erstwhile manufacturing unit and its valuation; procurement of raw materials and pricing, which needs detailed examination and verification. Pending examination of the above issues regarding ownership and control, its impact on the cost and prices and business decisions of the company, and verification of the same, the Authority is of the view that this producer-exporter from China cannot be granted market economy status for the preliminary determination of its Normal Value.

b) M/s Shanxi Linfen Dyeing Chemicals Co. Ltd (Producer) and M/s Tianjin International Trading Co (Exporter)

27. As per the submissions made by this exporter the producing Company M/s Linfen Dyeing, which earlier existed as Shanxi Linfen City Dyeing Material

factory, was converted into a limited liability company in 1997 in accordance with PRC Company Law. The equity held by Economy and Trade Commission of Linfen City in this entity was transferred to three other Government entities. Major shares of this Company (****%), are held by the Linfen government and balance shares are held by two asset and development companies owned by Shangxi Province government. Therefore, the producing company continues to be a government owned and controlled company. The producer has argued that although Linfen Dyeing is still a limited liability company owned by shareholders of local governments, these shareholders are not involved in the business decisions and day to day management of Linfen Dyeing and the rights of three shareholders are limited to receive the profits distribution and elect their representatives in board of directors.

28. It has been submitted that the employees of the Company are the real controllers and managers of the Company as the long term capital contribution of the employees in the Company through various loan and development funds which exceeds the registered capital of the company. As a result of controlling interests of the employees the managing powers have been transferred in 2005 to the employees and representatives of the employees constitute a majority in the board of directors. M/s Tianjin International Trading Co (Exporter) is a wholly owned subsidiary of Linfen Dyeing engaged in export business. The Company procures the major raw materials and utilities from several state-owned entities.

29. Therefore, the Authority notes that there are also significant issues regarding the status of the responding company, transfer of assets and liabilities of the erstwhile manufacturing unit and its valuation, procurement of raw materials and pricing, which needs detailed examination and verification. Pending examination of the above issues regarding ownership and control, its impact on the cost and prices and business decisions of the company, and verification of the same, the Authority is of the view that this producer-exporter from China cannot be granted market economy status for the preliminary determination of its Normal Value.

G.2 Determination of normal value

30. As recorded above there are significant issues of market economy determination in respect of the responding exporters from the subject country which requires further examination and verification. Therefore, pending further examination and verification of the claims made by the responding exporters and producers from China PR, in respect of their market economy claims and individual treatment claims, for the purpose of the preliminary finding, the authority has provisionally estimated the normal value in China on the basis of Para-7 to Annexure-I to the Rules.

31. In this connection Para 7 of Annexure I of the Rule provides that

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

32. It was indicated, in the initiation notification, that the Authority may notify an appropriate third country, in the due course, for the purpose of determination of normal value in China PR in terms of the above provision. However, none of the interested parties, including the applicants, have placed any material fact before the Authority to select an appropriate market economy third country for the above purpose. The domestic industry has submitted that they have made efforts to collect information on price and cost data of the subject goods in market economy third countries but no publicly available information could be collected in this regard. It has also been brought to the notice of the Authority this being a polluting industry there are practically no producer of the subject goods out side India and China. Therefore, it is difficult to identify an appropriate third country for this purpose. The domestic industry has also argued that for determination of normal value based on third country cost and prices the Authority would require complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country, which the applicant is unable to obtain. Therefore, the domestic industry has submitted that India should be treated as an appropriate surrogate country for China in this matter and the normal value should be determined accordingly.

33. The Authority notes that the subject goods are manufactured and sold in different strengths/concentrations which varies from as low as 20% to as high as 100%, most popular being 80%. The concentration of the product is generally described as BR 100, BR 200, BR 240, etc. BR 240 represents 100% concentration. Examination of the production process of the subject goods indicates that concentration of various grades or BR values are on pro rata basis compared to BR240. There is no difference in manufacturing process or cost. Lower concentrations are achieved simply by addition of salt and the cost marginally increases due to involvement of higher packing cost

as the volume increases due to dilution of the concentration of the product. Therefore, for the purpose of dumping margin and injury margin determinations all different strengths of the products sold in exporting country markets as well as in the domestic markets have been converted to 100% equivalent quantities. Accordingly, it is found to be appropriate to determine the normal value for the product for 100% concentration and compare the same with the export price determined on equivalent of 100% strength basis.

34. Pending further examination of the issues, for the purpose of preliminary determination the Authority proceeds to provisionally determine the normal value in China, in terms of second proviso of para 7 of Annexure 1 to the Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration for all exporters from China has been provisionally constructed based on facts available. The Normal Value has been constructed taking into account international price of all the major inputs, to the extent international prices of such raw materials are available. Average consumption norms of the cooperating exporters, conversion cost, and SGA expenses of the domestic industry have been adopted for determination of the normal value. After adding a reasonable profit margin of ***%, constructed normal value for sulphur black of 100% concentration (equivalent to BR240) works out as under:

Cost of raw materials (without Packing) per Kg:	Rs****
Utilities Cost per Kg:	Rs****
Conversion Cost per Kg:	Rs****
SGA Expenses and Finance cost per Kg:	Rs****
Total Cost to make and sale per Kg	Rs****
Profit margin per Kg @ ***%:	Rs****
Constructed Normal Value Per Kg:	Rs****
CNV @ Exchange Rate Rs45.67	US\$****

G.3 Export Price

i) M/s. Dalian Green Peak Chemicals Co. Ltd (Producer) and M/s Dalian Dye Chem International Corporation (Exporter);

35. The responding related producer and exporter have reported export of **** MT of the subject goods to India during the POI. The responding producer and exporter have exported only Sulphur Black BR200 and BR240 during the POI. The exports are to unrelated end users as well as distributors in India on CIF term and the payment has been realized on DP/TT/LC terms.

36. The exporter has claimed that no commission is paid by them against the export sales to India. However, the exporter has reported the direct selling expenses, viz. inland transportation, ocean freight and insurance, handling expenses, bank charges and differential VAT paid @ 4% of FOB value, against the export transactions to India.

37. Packing is in paper bags with plastic liners. The exporter has not claimed any adjustments towards packing cost. However, subject to verification of actual packaging the export price in unpacked condition has been provisionally compared with the constructed normal value determined for the goods in unpacked condition. Therefore, for the purpose of fair comparison the packing cost has been deducted from the export price as per the packing cost reported by the exporter for the subject goods in its cost sheets.

38. Subject to verification of the data submitted by this exporter and various elements of adjustments, the net export price of the above responding producer and exporters has been provisionally determined as follows:

Product category	Qty MT	Net Invoice Value US\$	Total Adjustment US\$	Net Value US\$	Net EP. US\$/MT	Less Packing US\$/MT	Net price Unpacked US\$/MT
BR200	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
BR240	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
Total	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****

ii) M/s Shanxi Linfen Dyeing Chemicals Co. Ltd (Producer) and M/s Tianjin International Trading Co (Exporter)

39. The responding related producer and exporter have reported export of *****MT of the subject goods to India during the POI. The responding producer and exporter have exported Sulphur Black of several concentrations during the POI. The exports are to unrelated end users as well as distributors in India on CIF term and the payment has been realized on DP/T/TLC terms.

40. The exporter has claimed that no commission is paid by them against the export sales to India. However, the exporter has reported the direct selling expenses, viz. inland transportation, ocean freight and insurance, handling expenses, bank charges and differential VAT paid @ 4% of FOB value, against the export transactions to India.

41. It appears from the appendix 5 of the questionnaire response of the exporter that the packing is in drums and plastic bags. However, it is not clear from the response whether the export consignments are also packed in drums and plastic bags. The exporter has not claimed any adjustments towards packing cost. Therefore, for the purpose of provisional determination unpacked price of the subject goods have been compared with the constructed normal value for unpacked goods. Therefore, for the purpose of fair comparison the packing cost has been deducted from the export price as per the packing cost reported by the exporter for the subject goods in its cost sheet.

42. Subject to verification of the data submitted by this exporter and various elements of adjustments, the net export price of the above responding producer and exporters has been provisionally determined as follows:

Product code	Sum of Quantity (MT)	Sum of Net Invoice Value(USD)	Sum of Total Adjustment in USD	Sum of Net Ex-works US\$	EP USD/MT with Packing	Less Packing cost US\$/MT	Net EP US\$/MT without packing
BR 120%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
BR 130%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
BR 150%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
BR 160%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
BR 170%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
BR 180%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
BR 185%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
BR 200%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
solubilized	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
Grand Total	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****

G.4 Dumping Margins

43. For the purpose of determination of dumping margin the ex-works normal value and export prices so determined provisionally have been compared at the same level of trade and dumping margin has been provisionally determined for the exporters from the subject country as follows:

i) M/s. Dalian Green Peak Chemicals Co. Ltd (Producer) and M/s Dalian Dye Chem International Corporation (Exporter);

44. The net ex-factory export prices of individual product types (strengths of sulphur black) have been compared with the constructed normal value the product as explained earlier on pro-rata basis to determine the weighted average dumping margin of this producer-exporter combination as follows:

Product category	Qty MT	Net Export Price Unpacked US\$/MT	100% Equivalent Qty	Net EP on 100% basis US\$/MT	Normal Value on 100% basis US\$/MT	Dumping Margin US\$/MT	DM %
BR200	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
BR240	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
Total	*****	*****	*****	*****	*****	*****	40.9%

ii) M/s Shanxi Linfen Dyeing Chemicals Co. Ltd (Producer) and M/s Tianjin International Trading Co (Exporter)

45. The net ex-factory export prices of individual product types (strengths of sulphur black) have been compared with the constructed normal value the

product as explained earlier on pro-rata basis to determine the weighted average dumping margin of this producer-exporter combination as follows:

Product code	Sum of Quantity (MT)	Net EP US\$/MT without packing	Equivalent Qty MT	Net EP on Equivalent strength US\$/MT	Constructed Normal Value on 100% basis US\$/MT	Dumping Margin US\$/MT	DM %
BR 120%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
BR 130%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
BR 150%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
BR 160%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
BR 170%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
BR 180%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
BR 185%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
BR 200%	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
Solubilized	*****	*****	*****	*****	*****	*****	
Total/ Weighted average							24.9%

III) All other exporters from China PR

46. The export price for all other exporters from China PR has been provisionally determined on facts available basis taking into account the transaction data of the cooperative exporters and the same has been compare with the constructed normal value to determine the dumping margin for all other non-cooperative exporters in the subject country.

All Others	CNV USD/MT	EP USD/MT	DM US\$/MT
BR 240 Equivalent	1,503.53	1006.67	496.86
			49.4%

G.5 Dumping Margin Summary

Producer	Exporter	Dumping Margin USD/Kg	DM %
M/s. Dalian Green Peak Chemicals Co. Ltd	M/s Dalian Dye Chem International Corporation	436.21	40.9%
M/s Shanxi Linfen Dyeing Chemicals Co. Ltd	M/s Tianjin International Trading Co	299.872	24.9%
All Others	All Others	496.86	49.4%

H. INJURY DETERMINATION

47. The Authority notes that no argument has been made by any interested parties on the injury claims of the domestic industry.

H.1 Examination of Injury and Causal Link:

48. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

49. The Authority notes that the application for imposition of antidumping duty has been filed by the Sulphur Black Producers Association on behalf of the domestic producers of the subject goods. However, two domestic producers i.e, M/s Atul Limited and M/s Bhanu Chemicals, who command a major proportion of total production of the subject goods in India, have filed complete injury information. In terms of Rule 2(b) of the Rules the above producers have been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. The Authority also notes that though there are other known producers of the subject goods in India they are all in unorganized sectors commanding very small productions individually. It has been submitted by the applicants that a significant number of producers have exited the market due to severe dumping from China for a long time. The other producers were asked to provide their cost and injury information, which has not been submitted so far. Therefore, for the purpose of preliminary determination the cost and injury information of the above domestic producer, constituting the domestic industry as defined in Rule 2(b), has been examined. However, overall impact of the dumped imports on the domestic industry as a whole has been examined to the extent information is available.

50. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Rules. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined as under: -

A) Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

a) Import volumes and share of subject countries:

51. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The domestic industry has argued that the DGCI&S data does not reflect the complete import data and the import volume is higher than that has been reported in the DGCI&S data. In support of its claim the domestic industry has produced the transaction wise data compiled by IBIS. It has been argued that the subject goods are imported under several heads and DGCIS data does not cover imports under a number of classifications.

52. The Authority has provisionally examined the volume of imports of the subject goods from the subject country and other countries based on the transaction-wise import data provided by DGCI&S and IBIS data provided by the domestic industry. The export data of the responding exporters from China have also been taken into consideration. The Authority notes that the export from the subject country as reported by the responding exporters is found to be higher than the import reported in the DGCIS data but closer to the import volumes reported in the IBIS data. Examination of DGCI&S data and IBIS data indicates that imports of the subject goods are taking place under several classifications heads at the 10 digit level, under tariff heading 32.04, which has not been properly captured in DGCI&S data. Therefore, for the purpose of the preliminary determination the export volume reported in the transaction-wise IBIS data has been considered for volume and price analysis.

53. The Authority also notes that sulphur black is imported from the subject country and other countries in different strengths. As discussed earlier the strength of sulphur blacks of various BR values are achieved by dilution with salt only. Therefore, for the purpose of a meaningful volume analysis the import volumes have been converted to equivalent of sulphur black 100% strength (BR240 equivalent). On the basis of the above the quantities of imports of the subject goods on 100% strength basis works out as follows:

Quantity in MT (on 100% strength basis)

Period	2003-04	2004-05	2005-06	POI (Jan-Dec,06)
Country	Quantity	Quantity	Quantity	Quantity
CHINA P RP	773	986	2,791	3,519
Trend(Indexed)	100	128	361	455
Others	-	-	16	-
Total	773	986	2,807	3,519
Trend(Indexed)	100	128	363	455
Share of subject country	100%	100%	99.44%	100%

54. The data indicates that the imports from China PR constitutes 100% of imports of the subject goods to India except a small volume imported from another country which is also a likely transshipment as that country apparently does not have any production facility for the subject goods. It has been brought to the notice of the Authority that this being a highly polluting industry, this industry has exited from most of the countries and India and China are the two major producers of this product in the world. Import from the subject country has increased by over 350% compared to the base year.

b) Actual and potential effect on production and capacity utilization:

55. The volume of domestic production and sales have also been computed on 100% strength basis (BR240) for assessment of demand and to examine the effects of dumped imports on the domestic operation of the domestic industry. On 100% strength basis the capacity, production and sales of the domestic industry and total demand in Indian market works out as follows:

Production, Sales and Demand	Quantity in MT (BR240 Equivalent)			
	2003-04	2004-05	2005-06	POI (Jan-Dec, 06)
Installed Capacity of DI	3800	3800	3800	3800
Trend	100	100	100	100
Production (DI)	1,600	1,867	2,269	2,337
Trend	100	117	142	146
Capacity Utilization DI	42.10	49.14	59.72	61.51
Trend	100	117	142	146
Domestic Sales of DI	1,398	1,668	1,952	1,930
Trend	100	119	140	138
Sales of other domestic Producers	2,471	2,152	749	730
Trend	100	87	30	30
Total domestic sales	3,869	3,820	2,701	2,660
Trend	100	99	70	69
Imports	773	986	2,807	3,519
Trend	100	128	363	455
Total Demand	4,643	4,806	5,508	6,179
Trend	100	104	119	133

56. The above data shows that total domestic sales of the product has declined by over 30% compared to the base year though sales of the applicant domestic industry has declined marginally during the POI after a significant increase in the previous years. While the capacity of the applicant domestic industry remains same at 3800 MT level through out the injury investigation period, the Authority notes that a large number of small producers have exited from the manufacturing of this product which is reflected in decline in their sales by over 70% compared to the base year. At

the same time the imports from the subject country has increased by over 350% during the same period. Therefore, the data indicates that the space vacated by the small producers in India has been largely cornered by the dumped imports from the subject country and partly by the applicant domestic industry.

57. The capacity utilization of the applicant domestic industry has improved compared to base year but the applicants still carry a significantly high (40%) unutilized capacity in a scenario where the demand is increasing significantly. At the same time a large number of small and medium producers of the subject goods have exited the market due to prolonged dumping from the subject country. The Authority notes that Para 1 of Annexure II to the Rules requires the Authority to examine the impact of dumped imports on the domestic producers of the subject goods. Therefore, the production volume and capacity utilization of the applicants alone does not provide the correct picture of the condition of the domestic producers of the subject goods in this case. The fact that about 25 small and medium producers have exited the market and sales volume of domestic producers other than the applicants has declined sharply since the base year indicates that available unutilized capacity in the country is significantly high compared to the unutilized capacity of the applicants.

c) Actual and potential effect on market share:

58. Effects of the dumped imports on the domestic sales and market shares have been examined as follows:

Market Share	Market Share in Demand (%)			
	2003-04	2004-05	2005-06	POI(Jan,06 to Dec,06)
Subject countries	16.66%	20.52%	50.68%	56.95%
Trend	100	123	304	342
Other countries	0	0	0.3%	0
Domestic Industry	30.12%	34.70%	35.44%	31.24%
Trend	100	115	118	104
Other domestic producers	53.22%	44.78%	13.60%	11.81%
Trend	100	84	26	22
All domestic producers	83.34%	79.48%	49.04%	43.08%
Trend	100	95	59	52

59. While the demand of the subject goods in the domestic market has increased by about 33%, the share of the domestic industry in the total demand has increased only by 1% and the share of domestic producers has drastically declined from over 80% in the base year to only little over 40% of total demand in the; whereas the share of the dumped imports has increased from about 17% in the base year to 57% of the total demand in the POI,

indicating that the dumped imports have significantly impacted the sales volumes and market shares of the domestic producers of the subject goods. This is corroborated with the fact that about 25 small and medium units which have since been closed during this period as reflected in the decline in sales volumes of domestic producers other than the applicants.

B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

60. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

61. The Authority notes that the exports of the subject goods from the subject country is of sulphur black grains only in various strength. Therefore, for fair comparison of the landed value of dumped imports with the domestic sales of the like goods for price effects examination, the domestic selling price and non-injurious price of the grains only have been considered. The landed price and domestic selling prices have been converted to 100% equivalent for fair comparison

i) Price undercutting and underselling effects

62. Price undercutting has been provisionally determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject country over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period for sulphur black grins on 100% strength basis, as explained above. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the value reported in the IBIS data of import prices from the subject country on 100% strength basis.

63. In determining the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated. The net sales realization of the domestic industry has also been computed on 100% strength basis for grains only.

64. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed price of imports from subject country, as explained above has been compared with the Non-injurious selling price of the domestic industry determined for the POI in respect of sulphur black grains on 100% strength basis.

Particulars	2003-04	2004-05	2005-06	POI
				(Jan-Dec, 06)
Cost of sales of DI	****	****	****	****
Trend	100	88	102	107
Selling Price of DI	****	****	****	****
Trend	100	88	104	102
Landed Value - China PR	52.26	47.82	46.92	48.90
Trend	100	92	90	94
Price Undercutting	****	****	****	****
Trend	100	81	134	120
Price Undercutting (%)	40-50%	35-45%	65-75%	55-65%
NIP				****
Price Underselling				****
Price Underselling %				65-75%

65. The above data shows that while the cost of sales of the DI has increased by about 7% the domestic industry could increase the price to the extent of only 1%. The data also shows the landed value of dumped imports has declined by 6% in the POI as compared to base year. The landed value of the dumped imports has been significantly below the net sales realization of the domestic industry for the entire injury investigation period and has significant price undercutting effect on the domestic industry. The landed value is also significantly below the cost of sales of the domestic industry during the injury period and non-injurious price determined for the POI, resulting in significant price underselling effect.

ii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:

66. To examine the price suppression effect of the dumped imports on the domestic prices the trend of net sale realization of the domestic industry has been compared with the cost of production.

Particulars	2003-04	2004-05	2005-06	POI (Jan-Dec 06)
				Rs/Kg
Cost of Production	****	****	****	****
Trend	100	93	104	107
Selling Price	****	****	****	****
Trend	100	92	101	101
Landed Value	52.26	47.82	46.92	48.90
Trend	100	92	90	94

67. The data indicates that while the cost of production of the domestic industry has increased by 7% compared to the base year, the landed value, which is significantly below the selling price and cost of sales of the domestic industry, has further declined by about 6% in the same period. This in effect has prevented the domestic industry to increase the prices to realize the cost of production in spite of the fact that there is a healthy growth in demand in the domestic market. The selling price of the DI has remained significantly below the domestic cost of sales in the injury investigation period. It therefore, appears that while the costs have increased, the domestic industry has been forced to keep its prices suppressed in the presence of dumped imports, in order to retain its market share. This price suppression appears to have caused financial loss to the domestic industry as the industry is unable to realize its cost in the domestic market.

68. The above provisional analysis shows that the dumped imports have adverse volume and price effect on the domestic industry in terms of increase in volume of dumped imports, both in absolute terms and as a share of demand in the domestic market and by forcing the domestic industry to keep its prices suppressed, while significantly undercutting their prices in the domestic market.

H.2 Examination of other injury factors

69. After examining some of the injury factors as above i.e. actual and potential decline in sales and market share; actual and potential increase in volume of imports etc. in the previous section, the Authority has examined the other mandatory injury parameters in this section as follows:

a) Actual and Potential effects on profitability

70. Profits earned by the domestic industry from the sales of the domestic like product (sulphur black grains and liquids) in the domestic market has been examined as follows: -

On 100% strength basis

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI (Jan-Dec,06)
Domestic Cost of Sales (All Products)	Rs./kg	****	***	***	***
Trend	Indexed	100	93	104	107
Domestic selling price (All Products)	Rs./kg	****	***	***	***
Trend	Indexed	100	92	101	101
Profit / Loss per unit	Rs./kg	(****)	(****)	(****)	(****)
Trend	Indexed	(100)	(464)	(752)	(1,782)

71. The data shows that the industry was suffering marginal loss per unit sold in the domestic market even in the base year. But loss per unit of the

product sold by the domestic industry has increased significantly during the POI due to increase in cost of sales while the sale realization remains more or less static.

b) Actual and potential effect on Cash Flow

72. Cash profit of the domestic industry on its domestic operations work out as under:

Cash Profit	Unit.	2003-04	2004-05	2005-06	POI (Jan-Dec,06)
Total profit before tax	Rs. Lacs	(****)	(****)	(****)	(****)
Trend	Indexed	(100)	(554)	(1,050)	(2,459)
Depreciation on Domestic Sales	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend		100	104	128	109
Cash Profit: Domestic Sales	Rs./Kg	****	(****)	(****)	(****)
Trend	Indexed	100	(5)	(96)	(463)

73. The above data shows that domestic industry suffers significant cash loss in its domestic operations. From a positive cash flow in the base year the domestic industry has suffered significant cash loss in the POI.

c) Actual and potential effect on return on investments

74. Return on net fixed assets and working capital employed on its domestic operation have been examined as follows:

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI(Jan,06 to Dec,06)
Total profit before tax	Rs./Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	(100)	(554)	(1,050)	(2,459)
Interest	Rs./Lacs	****	****	****	****
PBIT	Rs./Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	97	122	95
Capital Employed (NFA + WC) Dom	Rs./Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	121	144	149
Return on capital employed	%	****%	****%	****%	****%
Trend	Indexed	0	80	85	64

75. As a result of significant cash loss on domestic sales due to suppressed prices during the injury investigation period return on the domestic investments of the domestic industry has declined significantly during the POI as compared to the base year by over 35%.

d) Inventories

76. Inventory holding of the domestic industry in terms of average stock and stock as a percentage of sales shows decline.

Inventory	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI (Jan- Dec,06)
Opening Stock	Kg	****	****	****	****
Closing Stock	Kg	****	***	****	***
Average Stock	Kg	****	***	****	***
Trend	Indexed	100	76	97	60
Inventory as a % of sales	%	14.60	9.29	10.16	6.35

e) Productivity

77. Productivity of the domestic industry in terms of its labour productivity and daily output has been examined which shows significant improvement in productivity in terms of labour output as well as daily productivity.

Productivity	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI (Jan- Dec,06)
Production	MT	****	****	***	****
Trend		100	117	142	144
No of Employees	No	****	***	****	***
Trend		100	81	72	71
No of Days	No	350	350	350	350
Productivity - Employees	MT	****	***	***	***
Trend		100	144	198	204
Daily Productivity	MT	****	***	***	***
Trend		100	117	142	144

f) Employment and wages

Employment & Wages	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI (Jan-Dec,06)
No of Employees	No	****	***	***	***
Trend		100	81	72	71
Wages	Rs.Lacs	****	***	***	***
Trend		100	72	62	65
Wages per Employee	Rs.Lacs	****	***	***	***
Trend		100	90	86	92

78. Examination of the data on employment level and wages paid by the domestic industry indicates that the employment level and wages paid by the domestic industry has declined in spite of increase in production during this period.

g) Ability raise fresh investment

79. Domestic industry has not made any fresh investment for capital expansion in the subject goods during the injury investigation period as the units have significant unutilized capacity. Therefore, this factor is not relevant in this case.

h) Growth

80. Growth of the domestic industry in terms of various physical and financial parameters shows that while the applicant domestic industry shows positive growth in production and capacity utilization. However, this growth in production and capacity utilization by the applicant domestic industry is primarily due to the fact that several other domestic producers have exited the market. Closure of these units has however, left a large unutilized capacity in the domestic market. The financial performance in terms of profit on domestic sales and return on capital employed shows significant decline over the injury investigation period in spite of the fact that the domestic demand situation is positive and productivity of the domestic industry has improved. Parameters such as market share, profit, cash flow, and return on investments shows negative growth.

i) Magnitude of Dumping

81. The dumping margins, as an indicator of injury to the domestic industry shows that the margins determined for the cooperating exporters from the subject country are significantly above de minimis level.

j) Factors affecting prices

82. Preliminary examination of trend in the volume of dumped imports and prices from the subject country and the domestic prices indicate that the dumped imports through volume and price effects have affected the prices of the domestic industry.

H.3 Overall assessment

83. The above preliminary analysis of the factors indicate that in spite of the improvement in capacity, production, and sales, the domestic industry suffered injury on account of decline in market share, net sales realization, profitability, return on investments and cash profits. Volume of dumped import from the subject country has increased many fold and the prices of dumped

imports, are significantly undercutting the prices of the domestic industry, preventing the domestic industry to raise the prices to remunerative level and recover the rising costs of production. Failure to command remunerative price due to price suppression by the domestic industry has resulted in significant financial losses to the domestic industry. The injury suffered by the domestic industry is apparently material and significant.

I. Causal link and other factors

84. Having provisionally examined the existence of material injury and volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti Dumping have been examined to see whether there are any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:

i) Volume and prices of imports from other sources

85. As per the import statistics relied upon the subject goods are being imported from the country under investigation only. Therefore, volume and prices of the subject goods imported from other countries could not have affected the domestic industry.

ii) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

86. Demand for the subject goods shows a healthy growth during the entire injury investigation period and therefore, possible contraction in demand cannot be attributed to the injury to the domestic industry. The data on consumption and demand does not show any significant change in the pattern of consumption of the product.

iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

87. The goods are freely importable. The applicants are the major producers of the subject goods and account for major domestic production and sales. Other domestic producers have either exited the market or significantly reduced production. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the knowledge of the Authority by any interested party.

iv) Development in technology: -

88. There is no allegation of significant changes in technology which could have caused injury to the domestic industry.

v) **Export performance of the domestic industry:-**

89. The Authority notes that the export sale of the domestic industry has declined significantly during the injury investigation period though the export prices on 100% strength basis shows improvement. However, for the purpose of injury analysis the domestic sales only has been considered and injury, if any, caused due to the export performance of the domestic industry has not been attributed to the dumped imports.

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI (Jan-Dec,06)
Export Sale	MT	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	77	53	66
Price	Rs/MT	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	140	168	178

vi) **Productivity of the Domestic Industry**

90. Productivity of the domestic industry has improved in terms of total output and employee output. Therefore, this cannot be attributed to the injury to the domestic industry.

91. The above provisional non-attribution analysis shows that no other known factors, other than the dumped imports, appear to have affected the domestic industry.

I. **Factors establishing causal link**

92. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from the subject country. Therefore, the causal links between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- a. The volume of dumped import from the subject country has sharply increased and the landed price has significantly declined during the injury investigation period, resulting in significant price undercutting and underselling. As a direct consequence, the domestic industry has been prevented from realizing remunerative prices though the cost of production has increased significantly during the injury investigation period.

- b. Increase in import volumes and inability of the domestic industry to raise the prices to recover the cost of production has adversely affected the profits, cash flow and return on investments of the company.
- c. Significant positive price undercutting and underselling has resulted in exit of several producers in India from the domestic market leaving large unutilized production capacity.

93. Therefore, the Authority provisionally concludes that the domestic industry suffers material injury and the injury has been caused by the volume and price effects of dumped imports from the subject country.

J. Magnitude of Injury and injury margin

94. As noted earlier since the imports of sulphur black grains of various strengths have been imported to India, for the purpose of fair comparison with the domestically produced like goods the Authority has provisionally determined the non-injurious price of the subject goods for the domestic industry for Sulphur Black grains at 100% strength (equivalent to BR240) only. The non-injurious price for the domestic industry determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from the subject country converted into 100% equivalent price, for determination of weighted average injury margins for the exporters from the subject country on like to like basis. The weighted average landed price of the exporters from the subject country and their injury margins have been worked out as follows:

Producer	Exporter	NIP	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin
		USD/MT	USD/MT	USD/MT	%
M/s. Dalian Green Peak Chemicals Co. Ltd	M/s Dalian Dye Chem International Corporation	1817.71	1347.32	470.39	34.9%
M/s Shanxi Linfen Dyeing Chemicals Co. Ltd	M/s Tianjin International Trading Co	1817.71	1609.63	208.09	12.9%
All Others	All Others	1817.71	1154.01	663.70	57.5%

K. Conclusions

95. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority, as recorded in this finding, the authority provisionally concludes that:

- i) The subject goods have entered the Indian market from the subject country at prices less than their normal values in the domestic market of the exporting country;

- ii) The dumping margins of the subject goods imported from the subject country are substantial and above de minimis;
- iii) The domestic industry has suffered material injury and the injury has been caused to the domestic industry, both by volume and price effect of dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.

L. Indian industry's interest & other issues

96. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of provisional anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

M. Recommendations

97. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on various aspects of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry, in terms of the Rules laid down, and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries, and having concluded that the domestic industry suffers material injury due to such dumped imports, the Authority is of the opinion that imposition of provisional measure is required to prevent injury being caused to the domestic industry during the investigation period.

98. Therefore, Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of subject goods, from the subject country, in the form and manner described hereunder.

99. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 9 of the duty table annexed herewith is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country.

Duty Table

Sl. No	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specifi cation	Count ry of origin	Coun try of Expo rt	Producer	Exporter	Duty A moun t **	Unit of Measu re	Curre ncy
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	32.04	Sulphur Black	In All forms and strengths	China	PR	Any	M/s. Dalian Green Peak Chemicals Co. Ltd; Or M/s Dalian Dye Chem International Corporation	436.21	MT	US\$
2	32.04	Sulphur Black	In All forms and strengths	China	PR	Any	M/s Shanxi Linfen Dyeing Chemicals Co. Ltd; Or M/s Tianjin International Trading Co	208.09	MT	US\$
3	32.04	Sulphur Black	In All forms and strengths	China	PR	Any	Any other combination other than above	496.86	MT	US\$
4	32.04	Sulphur Black	In All forms and strengths	China	PR	Any	Any	496.86	MT	US\$

** The duty amount is on BR240 (i.e. on 100% concentration basis). For other concentrations the quantity shall be converted to BR240 (100% equivalent) and the above duty shall be applied on the equivalent quantity.

P. Further Procedures

100. The following procedure would be followed subsequent to notification of the preliminary findings: -

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- (b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within 40 days from the date of publication of these findings. Any other interested party may also make known its views within forty (40) days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (d) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority